RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:26 ता. 21 जुलाई 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अगले महीने से बिजली बिल के साथ भेजा जाएगा फॉर्म, सब्सिडी पाने के लिए करना होगा अब यह

नयी दिल्ली। राजधानी के लोगों को अगले महीने से यह बताना होगा कि उन्हें बिजली बिल पर सब्सिडी चाहिए या नहीं। दिल्ली सरकार अगस्त से उपभोक्ताओं को उनके बिजली के बिलों के साथ एक फॉर्म भी भेजेगी। उपभोक्ताओं को इस फॉर्म को भरकर यह बताना होगा कि वे बिजली सब्सिडी चाहते हैं या नहीं। अधिकारियों के मुताबिक, फॉर्म में उपभोक्ता बिजली सब्सिडी का लाभ लेना चाहते है या नहीं, कोई एक विकल्प चुन सकेंगे। सरकार ने प्रतिक्रिया लेने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन फॉर्म रखने के लिए पहले से ही एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की है, जिसे इस महीने मंत्रिमंडल के समक्ष मंजूरी के लिए पेश किए जाने की संभावना है। एक अधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग बिजली बिलों के साथ फॉर्म संलग्न करने की योजना बना रहा है। इस फॉर्म में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संदेश के साथ 'मैं बिजली सब्सिडी का लाभ उठाना चाहता हूं' लिखा होगा। अगर उपभोक्ता सब्सिडी का लाभ उठाना चाहते हैं तो उन्हें अपने संबंधित डिस्कॉम के क्षेत्रीय कार्यालयों में फॉर्म जमा कराना होगा। अधिकारी ने कहा कि फॉर्म जमा न करने की स्थिति में यह माना जाएगा कि उपभोक्ता सब्सिडी छोड़ने को तैयार है, जिसके बाद उससे एक अक्टूबर से सामान्य दर से बिजली का शुल्क लिया जाएगा। फॉर्म सितंबर के अंत तक जमा होंगे। अधिकारी ने कहा कि हालांकि, सब्सिडी लेने का विकल्प उपभोक्ताओं के लिए खुला रहेगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने मई, 2022 में घोषणा की थी कि एक अक्टूबर से बिजली सब्सिडी केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को दी जाएगी जो विशेष रूप से इसकी मांग करेंगे।

ईडी से मोहलत मांग संजय राउत ने उद्धव ठाकरे संग शेयर की तस्वीर, लिखा- सबसे आसान काम है धोखा देना

शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने ईडी के सामने पेशी से आज मोहलत मांगी है। एजेंसी की ओर से उन्हें नोटिस जारी करके आज सुबह 11 बजे मुंबई स्थित अपने दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

मुंबई। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने ईडी के सामने पेशी से आज मोहलत मांगी है। एजेंसी की ओर से उन्हें नोटिस जारी करके आज सुबह 11 बजे मुंबई स्थित अपने दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। इस पर संजय राउत ने मोहलत मांगते हुए कहा है कि वह दिल्ली में संसद सत्र में हिस्सा लेने के लिए आए हैं। ऐसे में उनके लिए ईडी के दफ्तर में पूछताछ के लिए पहुंचना संभव नहीं होगा। मुंबई में चॉल के पुनर्विकास में अनियमितता के मामले में संजय राउत को ईडी की ओर से समन जारी किया गया था। संजय राउत लगातार यह भी कहते रहे हैं कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है, लेकिन राजनीतिक कारणों से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। संजय राउत से ईडी ने 1 जुलाई को भी इस मामले में करीब 10 घंटे तक लगातार पूछताछ की थी। इस बीच संजय राउत ने अपने ही अंदाज में एक और ट्वीट किया है। इस ट्वीट में उन्हों ने उद्धव ठाकरे के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें दोनों नेता एक-दूसरे का हाथ पकड़े दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा है, संसार में सबसे आसान काम, अपने को धोखा देना है...! इस तरह एक बार फिर से उन्होंने ठाकरे परिवार के प्रति अपनी वफादारी का संदेश दिया है। यही नहीं मंगलवार को भी उन्होंने बालासाहेब ठाकरे और उद्धव ठाकरे की एक तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा था, पीठ से निकले, खंजरों को गिना जब। ठीक उतने ही थे, जिन्होंको गले लगाया था..! जय महाराष्ट्र!

संजय राउत ने इस ट्वीट में किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन उसे एकनाथ शिंदे गुट की बगावत से ही जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि शिवसेना में आपसी कलह तेज हो गई है। एक तरफ 12 सांसदों ने भी लोकसभा स्पीकर से अलग गुट के तौर पर मान्यता ले ली है तो वहीं अब एकनाथ शिंदे ग्रुप चुनाव आयोग भी जाने की तैयारी में है ताकि चुनाव चिह्न पर दावा किया जा सके। यही नहीं उद्धव ठाकरे भी ऐक्शन में हैं। उन्होंने कई नेताओं को हटा दिया है, जबकि 100 नए लोगों को पार्टी में पद दिए हैं। उन्होंने कल भी मीडिया से बात करते हुए कहा था कि भले ही तीरों को छीन लिया जाए, लेकिन धनुष तो हमारे पास ही है। शिवसेना का चुनाव चिह्न तीर धनुष है।

इस पर संजय राउत ने मोहलत मांगते हुए कहा है कि वह दिल्ली में संसद सत्र में हिस्सा लेने के लिए आए हैं। ऐसे में उनके लिए ईडी के दफ्तर में पूछताछ के लिए पहुंचना संभव नहीं होगा। मुंबई में चॉल के पुनर्विकास में अनियमितता के मामले में संजय राउत को ईडी की ओर से समन जारी किया गया था। संजय राउत लगातार यह भी कहते रहे हैं कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है,

रांची में वाहन चेकिंग के दौरान महिला दारोगा पर चढ़ाई गाड़ी, मौत; आरोपी गिरफ्तार

रांची। झारखंड में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाइए कि खुलेआम पुलिसवालों की हत्या कर दी जाती है। जी हां! राजधानी रांची में वाहन चेकिंग के दौरान एक महिला सब इंस्पेक्टर को अपराधी ने कुचल दिया और फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब 3 बजे रांची के तुपुदाना ओपी की इंचार्ज संध्या टोपनो वाहन चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने एक पिकअप वैन को रुकने का इशारा किया लेकिन ड्राइवर ने गाड़ी संध्या के ऊपर चढ़ा दी और फरार हो गया। जिसके बाद आनन-फान में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

आरोपी हुआ गिरफ्तार

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और आरोपी की तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद बुधवार सुबह आरोपी को पकड़ लिया गया। रांची के एसपी सिटी अंशुमान कुमार ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और साथ ही उसकी गाड़ी भी सीज कर दी गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किया गया क्या शख्स और गाड़ी तस्करी जैसे किसी अवैध काम में शामिल थे, इसपर जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद इसकी डिटेल बताई जा रही है।

परीक्षा के लिए रेलवे लेगा गूगल मैप की मदद, घर से 300 किमी दायरे में मिलेगा परीक्षा केंद्र

नयी दिल्ली। रेलवे पहली बार परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को उनके निवास स्थान से 300 किलोमीटर के दायरे में परीक्षा केंद्र आवंटित करने के लिए गूगल मैप का इस्तेमाल करेगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य उम्मीदवारों को यात्रा पर व्यय होने वाले समय को कम करना है। दशकों से रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की शिकायत रही है कि परीक्षा केंद्र उनके निवास स्थान से दूर बना दिया जाता है, जिसकी वजह से उन्हें न केवल लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, बल्कि निवास और खाने-पीने पर अतिरिक्त राशि व्यय करनी पड़ती है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हम प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा पते के साथ दिए गए पिन कोड को गूगल मैप के जरिये उनके निवास स्थान से 300 किलोमीटर के दायरे में मौजूद परीक्षा केंद्र के साथ जोड़ रहे हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि केंद्र तक परिवहन के विभिन्न साधनों जैसे बस और ट्रेन के जरिये आवागमन सुलभ हो। अगर यह काम करता है, तो हम उम्मीदवारों

की एक बहुत ही नियमित और स्थायी समस्या का समधान कर सकेंगे।'' यह नयी प्रक्रिया 30 जुलाई को होने वाली स्तर-6 और स्तर 4 कंप्यूटर आधारित परीक्षा में लागू होगी।

इस परीक्षा में 7,026 पदों के लिए 90 केंद्रों पर परीक्षा होगी जिसमें करीब 60 हजार उम्मीदवार हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा, ''मौजूदा समय में हम 99 प्रतिशत उम्मीदवारों को 300 किलोमीटर के दायरे में परीक्षा केंद्र देने में सफल रहे हैं जबकि शत प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को 400 किलोमीटर के दायरे में बने परीक्षा केंद्रों में समायोजित किया गया है।'' आरआरबी द्वारा अंतिम चरण की परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची जारी किए जाने के बाद अधिकतर उम्मीदवारों ने ट्विटर के जरिये उन्हें दूर आवंटित परीक्षा केंद्रों को लेकर चिंता प्रकट की। कोलकाता की एक ट्विटर उपयोगकर्ता ने कहा कि उन्हें कर्नाटक में परीक्षा केंद्र आवंटित किया गया है जबकि बेंगलुरु के एक उम्मीदवार ने कहा कि उसे 1,900 किलोमीटर दूर रांची में परीक्षा केंद्र दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि उत्तर पूर्वी राज्यों के उम्मीदवारों को 300 किलोमीटर के दायरे में समायोजित करने में मुश्किल आ रही है क्योंकि वहां कुछ ही परीक्षा केंद्र हैं।

सेना के विभिन्न अंगों में महिला की भर्ती का ईमानदार प्रयास किया जा रहा है : केन्द्र

नयी दिल्ली। केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि सेना अपने विभिन्न अंगों/सेवाओं के लिए महिलाओं की भर्ती करने और महिला अधिकारियों की संख्या बढ़ाने का ईमानदार प्रयास कर रही है।

शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में केन्द्र ने कहा कि सभी योग्य अभ्यर्थियों को समान अवसर देने परइन शाखाओं/सेवाओं में प्रतिवर्ष करीब 90 महिलाओं की भर्ती की जा सकेगी। हलफनामे में कहा गया है, ''चूंकि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के माध्यम से प्रतिवर्ष सेना में 20 महिला रंगरूटों की भर्ती को पहले से ही मंजूरी दे दी गई है, इसके बाद बाकी 70 महिलाओं की भर्ती लघु सेवा के माध्यम से होनी है।

अजय माकन की हार पर अब भी मलाल, भूपिंदर हुड्डा बोले- हाईकमान को ऐक्शन लेना चाहिए

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस के सीनियर लीडर अजय माकन के राज्यसभा चुनाव हारने का मुद्दा थम नहीं रहा है और पार्टी में लगातार अंतर्कलह की स्थिति बनी हुई है। इस बीच राज्य के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा का कहना है कि इस मामले में हाईकमान को ऐक्शन लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में इनवैलिड वोटों के चलते ही हमारे प्रत्याशी की हार हो गई थी। भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि अजय माकन ने इसकी जांच की है। हुड्डा ने कहा, %माकन का कहना है कि किरण चौधरी ने बैलेट पेपर पर 1 लिखने की बजाय टिक कर दिया।% उन्होंने कहा कि यह बैलेट नंबर 26 ही था, जिसे टिक किए जाने के चलते अवैध घोषित किया गया।

भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि वीडियो देखने के बाद ही माकन ने किरण चौधरी का नाम लिया है। उन्होंने देखा था कि 26वें नंबर पर कौन वोट देने के लिए गया था। वहीं राज्य के प्रभारी विवेक बंसल को लेकर हुड्डा ने कहा कि उन्होंने हमें पहले ही बता दिया था कि 29 वोट ही वैध पाए गए हैं और हमें चुनाव को रद्द कराने की मांग करनी चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि किसी को तो मानना ही होगा। दोनों लोग एक साथ गलती नहीं कर सकते हैं। यह कहना गलत है कि माकन किसी के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं। वहीं कुलदीप बिश्नोई को लेकर भी कांग्रेस में टकराव की स्थिति बनी हुई है।

हुड्डा ने कहा कि यदि कुलदीप बिश्नोई कांग्रेस से इस्तीफा देते हैं तो हम लड़ाई के लिए तैयार हैं। हुड्डा ने कहा कि हम उन्हें पार्टी से नहीं निकालेंगे, लेकिन वह इस्तीफा देकर चुनाव में उतर सकते हैं। बीरेंद्र सिंह का उदाहरण देते हुए हुड्डा ने

कहा कि कुलदीप बिश्नोई के जाने से न तो कांग्रेस कुछ खोएगी और न ही भाजपा को कुछ हासिल होगा। सोनीपत के विधायक सुरेंद्र पंवार के इस्तीफा देने और फिर वापस लेने पर हुड्डा ने कहा कि उन्होंने ईमेल पर इस्तीफा दिया है। उन्हें धमकी दी गई थी कि उनके बेटे की हत्या कर दी जाएगी। निजी तौर पर बात करने से पहले स्पीकर इस्तीफे को स्वीकार नहीं कर सकते। हरियाणा के पूर्व सीएम ने कहा कि मुझे उनके इस्तीफे के बाद तभी पता चला, जब उन्होंने ईमेल भेजा था। वह जब मुझसे मिले तो रोने लगे। हमने इस बारे में गवर्नर से मुलाकात की और राज्य में खराब कानून व्यवस्था के बारे में बताया। विधायकों को धमकियां दी जा रही है। हमें आम लोगों के लिए तो और भी ज्यादा चिंतित होना होगा। पंवार का कहना है कि उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। दुबई से कॉल करके उनसे 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है। मैंने डीजीपी और एसपी से सारी डिटेल शेयर की थी।

उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी, दिल्ली में उमस का सितम

नई दिल्ली। देश में कुछ इलाकों में मानसून वाली भारी बारिश हो रही है तो कहीं सूखे के हालात हैं। मौसम विभाग की नई रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश से सटे इलाकों पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। मानसून की ट्रफ रेखा बीकानेर, कोटा, कम दबाव के केंद्र मध्य प्रदेश, डाल्टनगंज, बांकुरा, हल्दिया से होते हुए दक्षिण-पूर्व की ओर से पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर जा रही है। इससे बिहार और उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश के आसार बढ़ गए हैं। दिल्ली के कुछ हिस्सों में मंगलवार को हल्की बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस भरे मौसम से थोड़ी राहत मिली। हालांकि अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कैलाश के पूर्व और दक्षिणी दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में बारिश हुई, जबकि लोधी रोड के कुछ इलाकों में बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सफदरजंग वेधशाल ने 'शून्य' जलप्रपात की सूचना दी, जबकि अन्य मौसम केंद्रों ने एसपीएस मयूर विहार में 0.5, जाफरपुर में 2.5 मिमी और नरेला में 1 एमएम बारिश दर्ज की।

मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट–वहीं, मौसम विभाग ने आज प्रदेश के नौ जिलों के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई स्थानों पर अतिवृष्टि की आशंका भी जताई गई है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद पांच जिलों में पहली से बारहवीं तक के स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने आपदा

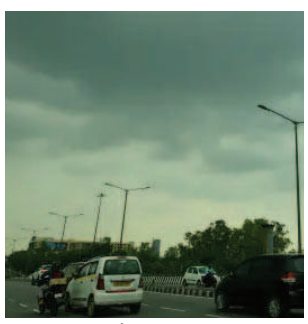

प्रबंधन विभाग और सभी जिलाधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

राज्य मौसम केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि, बुधवार को देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और हरिद्वार जिले में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इनमें कई जगहों पर अतिवृष्टि भी हो सकती है। बाकी जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट है। उन्होंने कहा कि, रेड अलर्ट वाले जिलों में इस दौरान गाड़-गदेरों, नदी-नालों में पानी बढ़ेगा। भूस्खलन की घटनाएं भी बढ़ सकती हैं। बहुत जरूरी नहीं है तो पर्वतीय इलाकों की यात्राएं टाल सकते हैं या सतर्क होकर यात्रा करें।

अगले 24 घंटों के मौसम का हाल

अगले 24 घंटों के दौरान, गुजरात क्षेत्र, दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश, तटीय कर्नाटक, केरल, उत्तराखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 20 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ जाएंगी और उत्तरी पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार के कुछ हिस्सों और उत्तरी मध्य प्रदेश में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

इन इलाकों में होगी हल्की से तेज बारिश

छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, उत्तरी तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और जम्मू-कश्मीर में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हरियाणा, पंजाब के शेष हिस्सों, दिल्ली और एनसीआर के कुछ हिस्सों, आंतरिक महाराष्ट्र, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना के शेष हिस्सों, ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। लद्दाख और तमिलनाडु में भी हल्की बारिश संभव है।

राजस्थान के कई इलाकों में मूसलाधार जारी

राजस्थान के अनेक इलाकों में बीते 24 घंटे में मूसलाधार बारिश हुई तथा सबसे अधिक 203 मिलीमीटर बारिश बांसवाड़ा के भूंगड़ा में दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह तक पिछले 24 घंटे में राज्य के बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, बूंदी, डूंगरपुर, सिरोही, कोटा एवं राजसमंद जिलों में कहीं कहीं भारी से अति भारी बारिश हुई है। सर्वाधिक बारिश भूंगड़ा, बांसवाड़ा में 203 मिलीमीटर (मिमी) दर्ज की गई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राजस्थान के कोटा, उदयपुर एवं अजमेर संभाग के जिलों में मानसून आगामी 24 घंटों तक सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी बारिश और एक-दो स्थानों पर अति भारी बारिश होने की संभावना है।

अपराधियों के हौसले बुलंद, अब गुजरात में संदिग्ध ट्रक चालक ने पुलिसकर्मी को कुचल कर मार दिया

गांधीनगर । गुजरात के बोरसाड में पुलिस कांस्टेबल पर जानलेवा हमला होने का मामला सामने आया है। राजस्थान के एक संदिग्ध ट्रक ने पुलिसकर्मी किरण राज को तब कुचल दिया, जब वह ट्रक को रोकने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिसकर्मी किरण राज की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के आला अधिकारियों ने कहा कि ट्रक चालक की पहचान कर ली गई है। मामले की जांच जारी है। इस तरह के मामले अभी हरियाणा और झारखंड में सामने आए थे। जब संदिग्ध वाहनों को रोकने की कोशिश करने वाले पुलिसकर्मियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। झारखंड के रांची में पुलिस उपनिरीक्षक संध्या टोपनो को एक संदिग्ध वाहन ने कुचल दिया। जिसमें उनकी मौत हो गई। हरियाणा के नूंह जिले में खनन माफिया की गतिविधियों पर लगाम लगाने की कोशिश में डीएसपी सुरेंद्र सिंह की मौत हो गई। खनन माफिया ने डीएसपी सिंह पर डंपर चढ़ाकर उनकी हत्या कर दी।

रांची के एसएसपी किशोर कौशल ने उपनिरीक्षक टोपनो की हत्या के बारे में जानकारी देकर कहा कि ये सूचना मिली थी कि गुमला से आ रहा एक संदिग्ध वाहन रांची पहुंच रहा है। इसकारण उपनिरीक्षक टोपनो के नेतृत्व में पुलिस चेकपोस्ट तैनात किया गया था। जब सब-इंस्पेक्टर उस वाहन को रोकने की कोशिश कर रही थी, तभी वाहन से उन्हें कुचल दिया। घायल होने के बाद संध्या टोपनो को अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि वाहन को कब्जे में लेकर चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उस वाहन के अंदर एक और व्यक्ति मौजूद था, जिसकी तलाश जारी है। कोशिश होगी कि जल्द से जल्द जांच पूरी कर दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलवाई जाए।

महंगाई की चिंता के बावजूद आईटीसी मजबूत वृद्धि दर्ज करेगी: संजीव पुरी

कोलकाता। विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत आईटीसी लि. ने कहा है कि महंगाई की चिंताओं के बावजूद वह मजबूत वृद्धि की राह पर आगे बढ़ती रहेगी। कंपनी की सालाना आमसभा को बुधवार को 'ऑनलाइन' तरीके से संबोधित करते हुए आईटीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने कहा कि कंपनी के रोजाना के उपभोग के सामान (एफएमसीजी) क्षेत्र में करीब 25 ब्रांड हैं। उन्होंने कहा कि पोर्टफोलियो का चयन सावधानी से किया गया है और इसमें वृद्धि की काफी गुंजाइश है। पुरी ने कहा कि आईटीसी की आकांक्षा इन एफएमसीजी ब्रांड को विदेशी बाजार में ले जाने की है। कंपनी भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं में निवेश जारी रखेगी। रणनीतिक गठजोड़ के जरिये कंपनी नए बाजारों का विकास करेगी। पुरी ने बताया कि आईटीसी ने साल के दौरान 110 उत्पाद पेश किए हैं। उन्होंने शेयरधारकों को बताया कि कंपनी ने देशभर में एकीकृत उपभोक्ता सामान विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स (आईसीएमएल) सुविधाओं का निर्माण किया है जिससे यह संरचनात्मक लाभ की स्थिति में है। पुरी ने कहा कि आर्थिक गतिविधियां अब सामान्य हो गई हैं और महामारी-पूर्व के स्तर से आगे हैं। ऐसे में कंपनी के परंपरागत सिगरेट कारोबार की स्थिति भी सुधरी है। उन्होंने बताया कि कंपनी के कृषि कारोबार का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और गेहूं, चावल, मसालों और तंबाकू की निर्यात वृद्धि मजबूत रही है।

सत्येंद्र जैन को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को लेकर भाजयुमो ने किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की दिल्ली इकाई के सदस्यों ने बुधवार को यहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के निकट प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मंत्री सत्येंद्र जैन को शहर सरकार और आम आदमी पार्टी (आप) से हटाने की मांग की। जैन फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा, 'जैन लगभग दो महीने से जेल में हैं और फिर भी केजरीवाल ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री के रूप में बनाये रखा है। उन्हें केजरीवाल द्वारा बर्खास्त किया जाना चाहिए जैसा कि उन्होंने केवल वीडियो-रिकॉर्डिंग के आधार पर भ्रष्टाचार के एक अन्य मंत्री के मामले में किया था।' भाजपा की युवा इकाई भाजयुमो ने इससे पहले मार्च में केजरीवाल के आवास पर धरना दिया था जिस दौरान वहां तोड़फोड़ हुई थी। इसके बाद संगठन के आठ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी, भाजयुमो की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वासु रुखड़ और संगठन के प्रभारी विष्णु मित्तल सहित भाजपा की दिल्ली इकाई के कई वरिष्ठ नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। जैन की गिरफ्तारी के बाद जून में उनके पास मौजूद आठ विभागों को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सौंप दिया गया था। 'आप' ने जैन की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी केजरीवाल सरकार द्वारा स्वास्थ्य और शिक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में किए गए बेहतर कामों को रोकने की कोशिश कर रही है।

मोहम्मद जुबैर को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत रिहा करने का दिया आदेश, सारे केस भी दिल्ली ट्रांसफर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को कथित अपमानजनक ट्वीट के मामले में उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी प्राथमिकी में जमानत मंजूर कर ली है। सुप्रीम कोर्टने मोहम्मद जुबैर के खिलाफ दिल्ली और उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी प्राथमिकी को एक साथ जोड़ दिया है। मोहम्मद जुबैर को यह बड़ी राहत मानी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद जुबैर को उत्तर प्रदेश में उनके खिलाफ दर्ज सभी छह प्राथमिकी में अंतरिम जमानत दी है। सुप्रीम कोर्ट यह भी कहा है कि मोहम्मद जुबैर को 20,000 रुपये के जमानत बांड के साथ जमानत पर रिहा किया जाएगा। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जुबैर अपने खिलाफ दर्ज सभी या किसी भी प्राथमिकी को रद्द करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना की पीठ ने कहा कि राजधानी की पटियाला हाउस अदालत में मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष 20,000 रुपये का एक मुचलका (जमानत बॉड) जमा करने के बाद जुबैर को उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी मामलों में जमानत पर रिहा किया जायेगा। पीठ ने मोहम्मद जुबैर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को समाप्त करने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में जुबैर के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी मामलों को दिल्ली पुलिस को जांच के लिए सौंप दिया और उन्हें दिल्ली पुलिस के एक विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज की गई मौजूदा प्राथमिकी के साथ जोड़ दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्देश दिया था कि ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ कथित रूप से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मामले में उत्तर प्रदेश में दर्ज पांच प्राथमिकियों के संबंध में जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा था कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह एक 'दुष्चक्र' है जहां जुबैर को एक मामले में जमानत मिलते ही उनके खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज हो जाती है।

योगी सरकार पर अखिलेश यादव का तंज, कभी-कभी बुलडोजर उल्टा भी चलता

लखनऊ । उत्तरप्रदेश में तबादलों में भ्रष्टाचार को लेकर हुई कार्रवाई से योगी सरकार के कई मंत्री नाराज हैं। इस लेकर सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसा है। अखिलेश ने ट्वीट कर कहा कि कभी-कभी बुलडोजर उल्टा भी चलता है।

इतना ही नहीं अखिलेश ने योगी सरकार में मंत्री दिनेश खटीक को इस्तीफा देने की भी सलाह दे डाली। अखिलेश ने कहा, जहां मंत्री होने का सम्मान तो नहीं परंतु दलित होने का अपमान मिले। ऐसी भेदभावपूर्ण भाजपा सरकार से त्यागपत्र देना ही अपने समाज का मान रखने के लिए सही उपाय है। अखिलेश ने योगी सरकार मंत्री खटीक के इस्तीफे के सामने आने के बाद ये निशाना साधा है। दरअसल, योगी सरकार में जलशक्ति विभाग के राज्यमंत्री खटीक ने योगी सरकार में दलितों को उचित मान-सम्मान न मिलने का आरोप लगाते हुए अपना इस्तीफा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भेजा है। खटीक ने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री योगी और राजभवन को भी भेजा है। जलशक्ति विभाग के राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने आरोप लगाया है कि दलित होने की वजह से विभाग में उनकी सुनवाई नहीं होती और न ही किसी बैठक की सूचना उन्हें दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यमंत्री के अधिकार के तौर पर सिर्फ गाड़ी दे दी गई है।

पीएम मोदी की दूरदृष्टि से देश कोविड-19 के खिलाफ टीकों का सुरक्षा कवच पहन कर तैयार: जेपी नड्डा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 रोधी टीकों की 200 करोड़ खुराक दिया जाना ''भारत की बदलती तस्वीर'' को दर्शाता है जबकि एक समय था जब पोलियो और अन्य रोगों के टीकों के लिए देश को वर्षों इंतजार करना पड़ता था। कोरोना की मुफ्त एहतियाती खुराक दिए जाने के केंद्र सरकार के फैसले के मद्देनजर नड्डा ने आज राजधानी स्थित लेडी हार्डिंग अस्पताल के टीकाकरण केंद्र का जायजा लिया और वहां उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों के साथ संवाद भी किया। इसके बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में लगे तमाम चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों का भारत हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने मानवता की सेवा के लिए पिछले दो वर्षों से अपने प्राणों की भी परवाह न करते हुए कोरोना संक्रमण के खिलाफ भारत की लड़ाई को और मजबूत किया है।''

उन्होंने कहा कि अभी 17 जुलाई को ही देश में कोविड टीकों की खुराक का आंकड़ा 200 करोड़ को पार कर गया और यह देश के लिए एक महान उपलब्धि है। उन्होंने कहा, ''पहले तो 20-20 साल तक देश को टीकों के लिए इंतजार करना पड़ता था। वह चाहे पोलियो का टीका हो या मलेरिया का या जापानी इन्सेफ्लाइटिस का या टिटनेस का या फिर अन्य बीमारियों का।'' नड्डा ने कहा कि इन सभी टीकों को भारत आने में वर्षों लग गए लेकिन देश में कोविड-19 की दस्तक होते ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नौ महीने में ही अर्थात् एक वर्ष से भी कम समय में देश के वैज्ञानिकों ने दो-दो विश्वस्तरीय 'मेड इन इंडिया वैक्सीन का निर्माण किया और अब भारत ने 200 करोड़ टीकों की खुराक लगाने का आंकड़ा भी पार कर लिया है। उन्होंने कहा, ''आज 130 करोड़ का देश कोविड के खिलाफ टीकों का सुरक्षा कवच पहन कर तैयार खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई के लिए जिस तरह रणनीति बनाई, उसकी पूरे विश्व में सराहना हुई है। साथ ही, इस रणनीति से भारत पूर्ण रूप से सुरक्षित भी हुआ है।''

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पूरी दुनिया में किसी भी देश की सरकार ने इस तरह अपने नागरिकों की चिंता नहीं की है जितनी कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने की है। उन्होंने कहा, ''हमारा टीकारकण कार्यक्रम न केवल दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज गति से चलने वाला अभियान है बल्कि इतने बड़े पैमाने पर अपने नागरिकों के लिए मुफ्त खुराक की भी व्यवस्था किसी और देश ने नहीं की है।'' उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाएं और लोगों से संपर्क कर उन्हें एहतियाती खुराक के लिए प्रोत्साहित करें।

भारत-चीन बॉर्डर पर लिपुलेख सहित 100 से ज्यादा सड़कें बंद

देहरादून । उत्तराखंड में बारिश के बाद भूस्खलन से नेशनल हाईवे सहित कई सड़कें बंद हो गईं हैं। पिथौरागढ़ जिले में भारी बारिश से भारत-चीन बार्डर को जोड़ने वाली तवाघाट-लिपुलेख सड़क पर भी यातायात प्रभावित हुआ है। पर्यटन नगरी को जोड़ने वाली थल-मुनस्यारी सहित 26 सड़कें बंद हैं। इन सड़कों के बंद रहने से 80 से अधिक गांव अलग-थलग पड़ गए हैं। वहीं माइग्रेशन गांवों के ग्रामीणों के साथ ही सेना को दिक्कत हो रही है। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप होने से गांवों में राशन व अन्य दैनिक जरूरत का सामान की सप्लाई रुक गई है, जिससे 1 लाख से अधिक की आबादी खासी परेशान है। चमोली जिले में भी बारिश आफत बनती जा रही है। जिले में तीन दर्जन के करीब ग्रामीण सड़कों पर यातायात प्रभावित है। हालाकि,राहत की बात है कि ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे सुचारू है। रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, बागेश्वर आदि जिलों में भी आतंरिक सड़कें बंद होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। उत्तराखंड में बुधवार को पूरे राज्य में भारी बारिश की आशंका है। खासकर नौ जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार, बुधवार को देहरादून, टिहरी, पौड़ी, चंपावत, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और हरिद्वार जिले में बहुत भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है।

संसद में हंगामे से नाराज हुए ओम बिरला, सदस्यों से कहा- जनता ने तख्तियां दिखाने और नारेबाजी के लिए नहीं भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र चल रहा है। आज तीसरे दिन भी लोकसभा तथा राज्यसभा में विपक्ष का जबरदस्त तरीके से हंगामा जारी रहा। विपक्ष के सांसद लगातार सरकार को कई मोर्चों पर घेरने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष की ओर से जारी हंगामे की वजह से लोक सभा स्पीकर ओम बिरला नाराज हो गए। उन्होंने सांसदों से साफ तौर पर कह दिया कि जनता ने तख्तियां दिखाने और नारेबाजी के लिए नहीं भेजा है। नारे लगा रहे सदस्यों से लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन चर्चा संवाद के लिए है, नारेबाजी के लिए नहीं है और सदन में शोर-शराबा करने वाले सदस्य सदन की गरिमा को गिरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हंगामा कर रहे सदस्यों का रवैया संसदीय परम्पराओं के लिए उचित नहीं है क्योंकि जनता ने तख्तियां दिखाने और नारेबाजी के लिए नहीं भेजा है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि ''अमृतकाल में जनता हमसे चर्चा और संवाद की उम्मीद करती है'' और वह सभी विषयों पर चर्चा के लिए प्रक्रिया अनुसार समय देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि शून्यकाल में हर विषय को उठाने की अनुमति देने को तैयार हूं लेकिन हंगामा करेंगे तो इजाजत नहीं दूंगा। लोकसभा में कांग्रेस, द्रमुक सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने महंगाई, जीएसटी, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बुधवार को भारी शोर-शराबा किया जिसके कारण कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। वे 'जीएसटी वापस लो' जैसे नारे लगा रहे थे।

परंपरा के तहत संसद परिसर में पर्चे वितरित नहीं करे, तख्तियां नहीं लाएं : लोस सचिवालय

लोकसभा सचिवालय ने एक बुलेटिन में कहा है कि स्थापित परंपरा के तहत संसद भवन परिसर में लोकसभा अध्यक्ष की मंजूरी के बिना पर्चा, पत्रक, प्रश्नावली, प्रेस नोट, साहित्य या मुद्रित सामग्रियों का वितरण नहीं किया जाना चाहिए तथा तख्तियां भी नहीं लायी जानी चाहिए। लोकसभा सचिवालय की संसद सुरक्षा सेवा के 19 जुलाई के बुलेटिन में यह बात कही गई है और सांसदों से सहयोग की अपील की गई है। ज्ञात हो कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने महंगाई और कई जरूरी खाद्य वस्तुओं को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाए जाने के विरोध में मंगलवार और बुधवार, दोनों दिन संसद भवन परिसर में धरना दिया। इस दौरान कुछ सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां भी ले रखीं थीं और कुछ छाछ के पैकेट भी लेकर पहुंचे थे। इन लोगों ने एक बैनर भी ले रखा था जिस पर गैस सिलेंडर की तस्वीर थी और कुछ नारे भी लिखे थे।

श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में नेताओं को प्रभावित करने संबंधी खबरें निराधार : भारत

कोलंबो। (एजेंसी)।

भारत ने श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव में द्वीपीय देश के नेताओं को राजनीतिक स्तर पर प्रभावित करने संबंधी खबरों को निराधार और कोरी अटकलें करार देते हुए बुधवार को साफ शब्दों में कहा कि वह किसी अन्य देश के आंतरिक मामलों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप नहीं करता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को बुधवार को संसद द्वारा श्रीलंका का नया राष्ट्रपति चुना गया। इससे पहले श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति एवं विक्रमसिंघे के पूर्ववर्ती गोटबाया राजपक्षे देश छोड़कर चले गए और अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन को लेकर उनकी सरकार के खिलाफ जनता के विद्रोह के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने कई ट्वीट करके कहा, ''हमने श्रीलंका की संसद में राष्ट्रपति चुनाव के संबंध में श्रीलंकाई नेताओं को प्रभावित करने के भारत के राजनीतिक स्तर पर प्रयासों के बारे में मीडिया में निराधार और कोरी अटकलों वाली खबरें देखी हैं।'' उच्चायोग ने ट्वीट में कहा, ''(हम) मीडिया की इन खबरों को पूरी तरह से झूठा करार दते हैं। वे स्पष्ट रूप से किसी की कल्पना पर आधारित हैं।'' उच्चायोग ने दोहराया कि भारत लोकतांत्रिक साधनों और मूल्यों, स्थापित संस्थानों के साथ-साथ संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार श्रीलंका के लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति का समर्थन करता है, और किसी अन्य देश के आंतरिक मामलों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप नहीं करता है।'' छह बार देश के प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे (73) को 225 सदस्यीय सदन में 134 सदस्यों के मत हासिल हुए, वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी डलास अल्हाप्पेरुमा को 82 मत मिले।

मोदी सरकार ने सदन को बताया, पिछले 5 सालों में हर माह सेना के औसतन 8 जवानों ने आत्महत्या की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पिछले 5 सालों में हर माह सशस्त्र बलों के औसतन 8 जवानों ने आत्महत्या की है। इसकी जानकारी मोदी सरकार ने लोकसभा में दी है। मोदी सरकार की तरफ से जानकारी दी गई कि पिछले पांच सालों में कम से कम 819 जवानों ने आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया है, जबकि मुद्दे के समाधान के लिए कई कदम उठाए गए हैं। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि पिछले 5 सालों में आर्मी ने आत्महत्या के कारण अपने 642 सैनिकों को खो दिया है, जबकि भारतीय वायुसेना में यह संख्या 148 और नौसेना में 29 है। गंभीर मुद्दे को हल करने के लिए उठाए गए कदमों पर अजय भट्ट ने कहा है कि सशस्त्र बलों में तनाव और आत्महत्या के मैनेजमेंट के लिए तनाव कम करने वाले मैकेनिज्म में सुधार के लिए लगातार उपाय विकसित किए जा रहे हैं। इसके लिए एक विस्तृत मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तैयार किया गया है और यह कार्यक्रम 2009 से चालू है, जो जवान तनाव से गुजर रहे होते हैं, उनकी पहचान की जाती है। इसके साथ ही निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार यूनिट कमांडिंग ऑफिसर, रेजिमेंटल मेडिकल ऑफिसर और जूनियर ऑफिसर द्वारा उनकी काउंसलिंग की जाती है। रक्षा मंत्रालय के थिंक टैंक द युनाइटेड सर्विस इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (यूएसआई) ने साल की स्टडी के बाद पिछले साल एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि काउंटर इनसरजेंसी और काउंटर टेररिज्म के माहौल के अलावा नॉन-ऑपरेशनल स्ट्रेस सेना के जवानों में बहुत ज्यादा है। ऑपरेशनल स्ट्रेस जहां प्रोफेशन का हिस्सा है, वहीं नॉन ऑपरेशनल स्ट्रेस से बचा जा सकता है।

उत्तराखंड में बारिश का रेड अलर्ट, रूद्रप्रयाग में दो मजदूरों की मौत, सामान्य जनजीवन प्रभावित

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में बुधवार को एक निर्माणाधीन पुल की शटरिंग पलट जाने से वहां काम कर रहे दो मजदूरों की मृत्यु हो गयी जबकि मौसम विभाग की तरफ से बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। बारिश को लेकर रेड अलर्ट के मद्देनजर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष जाकर स्वयं तैयारियों का जायजा लिया। प्रदेश में अनेक स्थानों पर लगातार हो रही बारिश से दर्जनों स्थानों पर भूस्खलन हुआ जिससे कई मार्ग यातायात के लिए अवरूद्ध हो गए और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए अत्यधिक बारिश की संभावना वाले जिलों में स्कूलों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में छुट्टी रखी गयी। बारिश के बीच ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रूद्रप्रयाग जिले के नरकोटा क्षेत्र में एक निर्माणाधीन पुल की शटरिंग (लोहे का जाल) टूटने से उसके नीचे दबकर दो मजदूरों की मृत्यु हो गयी तथा छह अन्य घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची और तलाश एवं बचाव अभियान चलाया।

बचावकर्मियों ने कटर की मदद से लोहे का जाल काटकर मजदूरों को बाहर निकाला। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह परिहार ने को बताया कि शटरिंग की लोहे की ?सरिया के नीचे दबे दो मजदूरों के शव बरामद किए गए हैं। घायल अवस्था में निकाले गए छह मजदूरों को रूद्रप्रयाग के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रुद्रप्रयाग और श्रीनगर के बीच चारधाम 'आल वेदर रोड' परियोजना के तहत नया पुल बनाया जा रहा है और पुल के खंभों के लिए वहां लोहे की सरिया का जाल तैयार करने के दौरान यह हादसा हुआ। घटना के बाद रूद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि निर्माणाधीन पुल के क्षतिग्रस्त होने की उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ ही कार्य करा रही एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मौसम विभाग ने बुधवार को प्रदेश के 13 में से नौ जिलों के लिए बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, उधमसिंह नगर, हरिद्वार, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गयी है। अलर्ट के मद्देनजर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष में जाकर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को लगातार सतर्क रहने के ?निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से आपदा से संबंधित किसी भी चुनौती से निपटने के लिए हर समय पूरी तैयारी रखने को कहा है जिससे कम से कम प्रतिक्रिया समय में सहायता पहुंचाई जा सके। देहरादून सहित अत्यधिक बारिश की संभावना वाले सभी जिलों में बुधवार को स्कूलों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में छात्रों के लिए अवकाश रखा गया। प्रदेश के ज्यादातर स्थानों पर बारिश होने की सूचना है जहां पिछले 24 घंटों के दौरान हल्द्वानी में 154 मिमी, लीती में 151 मिमी, डीडीहाट में 115.50 मिमी, कोटद्वार में 91 मिमी, देहरादून के करनपुर में 85.50 मिमी, जौलीग्रांट में 80.40 मिमी, सहसपुर में 72 मिमी, धारचूला में 69.20 मिमी बारिश दर्ज की गयी। लगातार बारिश से भूस्खलन होने के कारण प्रदेश में आठ राज्य मार्ग और 145 ग्रामीण मोटर मार्ग यातायात के लिए अवरूद्ध हो गए हैं जिन्हें खोलने का प्रयास किया जा रहा है। चारों धामों के लिए मार्गों पर हालांकि यातायात सुचारू है और उन पर यात्रा चल रही है।

कांग्रेस का दावा- चर्चा से भाग रही सरकार, संसदीय कार्य मंत्री ने कहा- हम हर मुद्दे पर बहस के लिए तैयार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र जारी है। हालांकि, विपक्ष कई मुद्दों को लेकर सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। विपक्ष के हंगामे की ही वजह से अब तक 3 दिनों से दोनों सदन सुचारू रूप से नहीं चल पाए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार चर्चा से भाग रही है। कांग्रेस के इस आरोप पर सरकार की ओर से अब जवाब आ गया है। संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। अपने बयान में प्रल्हाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने कहा है कि वे महंगाई और अन्य मुद्दे पर संसद में बहस की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार नहीं मान रही है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रई निर्मला सीतारमण, जिन्हें जवाब देना है, कोविड़19 से संक्रमित हैं, जैसे ही वह ठीक हो जाती हैं और जब बीएसी फैसला करती है और दोनों कुर्सियों ने अनुमति दी है, तो हम चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की दिलचस्पी रचनात्मक बहस में नहीं बल्कि व्यवधान पैदा करने में है।

दूसरी ओर राज्य सभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने भी कहा कि प्रल्हाद जोशी जी ने आज पुनः ये बात रखी कि हम संवैधानिक रूप से हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं लेकिन कांग्रेस रचनात्मक रूप से चर्चा करने के लिए तैयारी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की तोड़फोड़ की सोच का खुलासा कांग्रेस नेता जयराम रमेश जी के ट्वीट से हुआ है। वहीं, आज भी महंगाई और हाल ही में कुछ आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी वृद्धि को लेकर विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ संसद में विरोध प्रदर्शन किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और खाने-पीने की जरूरी चीजों की कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं, जिसका परिणाम आम आदमी को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस महंगाई की मार से महिलाएं ही नहीं, बच्चों से लेकर और बूढ़े तक, देश की 140 करोड़ जनता इससे प्रभावित हो रही है।

आपको बता दें कि महंगाई सहित कुछ अन्य मुद्दों पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के भारी हंगामे के कारण बुधवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से उच्च सदन में आज भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। लोकसभा में कांग्रेस, द्रमुक सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने महंगाई, जीएसटी, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बुधवार को भारी शोर-शराबा किया जिसके कारण कार्यवाही को बार बार स्थग्त करनी पड़ी। विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए अध्यक्ष के आसन के समीप आ गए। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिन पर एलपीजी सहित जरूरी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, कई वस्तुओं पर जीएसटी की दरें बढ़ाये जाने जैसे मुद्दों का उल्लेख किया गया था।

सौदें में टवीटर को फंसकर ग्रीस में मौज मस्ती कर रहे एलन मस्क

वाशिंगटन (ईएमएस)। जेब में पैसा हो तब इंसान कुछ भी कर सकता है। कहीं भी घूम सकता है, मजे कर सकता है। यदि वह इंसान दुनिया का सबसे बड़ा रईस हो तब कहने ही क्या। हम बात कर रहे हैं एलन मस्क की। हाल ही में उन्हें ग्रीस में मस्ती करते हुए देखा गया है। मस्क ग्रीस में लग्जरी याट पर धूप का लुत्फ ले रहे हैं। वे समुद्र में तैरते हुए कॉकटेल का मजा ले रहे हैं। यह तस्वीर उस वक्त में सामने आई है जब मस्क और ट्विटर के बीच एक कानूनी लड़ाई चल रही है। मस्क ने माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदने की प्रक्रिया लगभग पूरी होने से पहले अपने हाथ पीछे खींच लिया है। इस मौज-मस्ती की उनकी एक तस्वीर ट्वीट की और वह देखते ही देखते वायरल हो गई। उन्होंने खुद ट्वीट कर लिखा, हाहा, मुझे अपनी शर्ट अक्सर उतारते रहना चाहिए, फ्री द निप!! वैसे बता दूं कि फिर से फैक्टरी में लौट आया हूं। मस्क को ट्वीटर द्वारा किए गए कानूनी मुकद्दमे की जरा-सी भी टेंशन नहीं है। वे इसके बारे में बिलकुल भी चिंतित नजर नहीं आते। बता दें कि ट्विटर और मस्क के बीच चल रहे मामले की सुनवाई शुरू हो चुकी है। ट्वीटर मामले को जल्द निपटाने की कोशिश कर रहा है तो मस्क चाहते हैं कि यह केस लंबा खिंचे। मस्क ने कोर्ट से मामले का ट्रायल फरवरी में शुरू करने की मांग की है, जबकि ट्विटर ने कोर्ट से मांग की है कि ट्रायल सितंबर से ही शुरू हो जाना चाहिए, ताकि यह समझौता बरकरार रह सके।

भीषण गर्मी से शहर में आग लगने की घटनाएं बढ़ी: लंदन मेयर

लंदन। लंदन के मेयर का कहना है कि पारे के 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद शहर में आग लगने की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। मेयर सादिक खान ने मंगलवार को कहा कि दमकल सेवा बेहद दबाव में है। शहर के पूर्वी हिस्से में स्थित वेनिंगटन में घास के मैदान में आग लग गई है जिस पर करीब 100 दमकल कर्मी काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। लंदन अग्निशमन ने कहा कि उसने इसे बड़ी घटना घोषित किया है, जिसका अर्थ है कि वह अन्य आपातकालीन सेवाओं के संसाधनों का भी इस्तेमाल कर सकती है।

कोविड-19 के संक्रमण से बुजुर्गों को मानसिक और आर्थिक समस्या होने का दोहरा खतरा: अध्ययन

लंदन। कोविड-19 की चपेट में आने वाले उम्रदराज लोगों को अवसादग्रस्त और घबराहट जैसी मानसिक समस्या के साथ-साथ आर्थिक परेशानी होने की आशंका दोगुनी हो जाती है। यह दावा एक अध्ययन में किया गया है। जर्नल पीएनएएस में प्रकाशित यह नवीनतम अध्ययन 52 से 74 वर्ष के आयुवर्ग के 5,146 वयस्कों के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है, जिसमें कोविड-19 संक्रमण का उनके मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सरोकार और वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले अल्पकालिक और दीर्घकालिक असर का अध्ययन किया गया। अध्ययन में शामिल हुए लोगों के आंकड़े कोविड-19 से पहले वर्ष 2018-19 में लिए गए और इसके बाद वर्ष 2020 में कोविड-19 होने पर दो बार इनका विश्लेषण किया गया। अध्ययन के मुताबिक जून-जुलाई 2020 के दौरान 49 प्रतिशत संभावित संक्रमित बुजुर्गों में अवसाद के संकेत मिले जबकि बिना संक्रमण वाले बुजुर्गों में यह दर महज 22 प्रतिशत रही। ब्रिटेन स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) की प्रमुख अनुसंधान लेखिका ऐली इओब ने कहा, '' मौजूदा समय में कोविड-19 संक्रमण से व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत आर्थिक स्थिति और सामाजिक संबंध पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर बहुत कम सबूत हैं।'' इओब ने कहा, ''हालांकि, हमारे अध्ययन से प्रतीत होता है कि कोविड-19 से संभावित रूप से संक्रमित उम्रदराज लोग अधिक अवसाद और व्याकुलता का सामना करते हैं। उनके जीवनस्तर में गिरावट आती है, अकेलेपन का अहसास बढ़ता है और बिना संक्रमण वालों की तुलना में अधिक आर्थिक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।'' अध्ययन में पाया गया कि इस आयुवर्ग के संभावित संक्रमितों में व्याकुलता की दर 12 प्रतिशत थी जबकि बिना संक्रमण वाले इस आयुवर्ग के लोगों में यह दर महज छह प्रतिशत दर्ज की गई। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक, संक्रमण के छह महीने तक उसका दुष्प्रभाव रहता है और ऐसा प्रतीत होता है कि स्थिति और खराब हुई। उन्होंने बताया कि संक्रमण के बाद एक बार फिर नवंबर-दिसंबर 2020 में अनुसंधान में शामिल लोगों के आंकड़ों का आकलन किया गया और पाया गया कि संभावित संक्रमितों में अवसाद और व्याकुलता की दर क्रमशः 72 प्रतिशत और 13 प्रतिशत रही। वहीं बिना संक्रमण वाले इसी आयुवर्ग के लोगों में यह दर क्रमशः 33 प्रतिशत और सात प्रतिशत रही। अध्ययन के मुताबिक महामारी से पूर्व के मुकाबले इस आयुवर्ग के करीब 40 प्रतिशत कोरोना वायरस संक्रमितों को जून-जुलाई 2020 में वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा। वहीं, संक्रमण से मुक्त बुजुर्गों में यह दर 20 प्रतिशत रही।

पेलोसी के ताइवान की यात्रा करने पर चीन ने ''कड़ी कार्रवाई'' की दी धमकी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि अगर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी कथित तौर पर ताइवान यात्रा की अपनी योजना पर आगे बढ़ती हैं, तो चीन ''दृढ़ एवं कड़ी कार्रवाई'' करेगा। 'फाइनेंशियल टाइम्स' की एक खबर के अनुसार, पेलोसी अगस्त में स्वशासी द्वीप की यात्रा करने की योजना बना रही हैं, जिसे चीन अपना हिस्सा मानता है। पेलोसी का अप्रैल में ही ताइवान की यात्रा का कार्यक्रम था, लेकिन तब कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आने के कारण उन्हें अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। पेलोसी बीते 25 वर्षों में अमेरिका के करीबी सहयोगी ताइवान की यात्रा करने वाली पहली शीर्ष अमेरिकी सांसद होंगी। उनसे पहले 1997 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के तत्कालीन अध्यक्ष न्यूट गिंगरिच ताइवान यात्रा पर गए थे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजांग ने एक दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' पेलोसी की यात्रा चीन की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर रूप से कमजोर करेंगी और चीन तथा अमेरिका के रिश्तों की नींव पर भी इसका गंभीर असर पड़ेगा। साथ ही, इससे ताइवान के स्वतंत्र बलों को गलत संकेत मिलेगा।'' झाओ ने कहा, '' अगर अमेरिका ने गलत रास्ते पर चलना जारी रखा, तो चीन अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए दृढ़ एवं कड़ी कार्रवाई करेगा।'' हालांकी, झाओ ने पेलोसी की यात्रा के खिलाफ चीन क्या कार्रवाई कर सकता है, इसकी कोई जानकारी नहीं दी। वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन-पियरे ने पेलोसी की संभावित यात्रा पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। जीन-पियरे ने कहा कि ताइवान को अमेरिका का पूरा समर्थन है, साथ ही उन्होंने एक चीन नीति के प्रति भी प्रतिबद्धता भी जताई।

पाकिस्तान में अमेरिकी महिला के साथ गैंगरेप, सोशल मीडिया दोस्तों पर लगाया आरोप

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दो लोगों ने 21 वर्षीय अमेरिकी महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना यहां से 500 किलोमीटर दूर डीजी खान जिले के हिल स्टेशन फोर्ट मुनरो के एक होटल में 17 जुलाई को हुई, जब पीड़िता अपने सोशल मीडिया दोस्तों मुजमिल सिप्रा और अजान खोसा के साथ एक व्लॉग बनाने के लिए उस जगह का दौरा कर रही थी। डीजी खान के उपायुक्त अनवर बरियार के अनुसार अमेरिकी लड़की अपने सोशल मीडिया मित्र मुजमल सिप्रा के निमंत्रण पर कराची से फोर्ट मुनरो आई थी पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पाकिस्तान में पर्यटक वीजा पर आई महिला पिछले सात महीने से देश में रह रही थी। उन्होंने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

म्यांमार की सेना ने बिछाए बारूदी सुरंग, कई लोगों की मौत, कई लोग हुए दिव्यांग

बैंकॉक। म्यांमार की सेना ने थाइलैंड की सीमा के पास संघर्षग्रस्त काया क्षेत्र में और उसके आसपास के गांवों में बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं, जिसकी चपेट में आने से कई लोग हताहत हुए हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बुधवार को यह जानकारी दी। मानवाधिकार समूह के अनुसार, इस क्षेत्र का दौरा करने वाले उसके शोधकर्ताओं ने पाया कि लोगों के मकानों और गिरजाघरों के आसपास बिछाई गई बारूदी सुरंगों में कम से कम 20 लोग मारे गए और कई अन्य लोग दिव्यांग हो गए। शोधकर्ताओं ने एक ऐसे क्षेत्र में ग्रामीणों से बातचीत की, जहां फरवरी 2021 में म्यांमा की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को बाहर कर देश की बागडोर सेना के अपने हाथ में लेने के बाद से सेना जातीय करेनी सशस्त्र समूहों का मुकाबला कर रही है। 'ओटावा कन्वेंशन' (1997) सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समझौतों के तहत दुनिया भर में हजारों लोगों की हत्या और उनके विकलांग होने का कारण बने हथियारों पर रोक लगाने के इरादे से मानवों को निशाना बनाने वाली बारूदी सुरंगों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। 'एमनेस्टी इंटरनेशनल क्राइसिस रिस्पॉन्स' के उप निदेशक मैट वेल्स ने एक बयान में कहा, 'म्यांमा की सेना द्वारा बारूदी सुरंगों का इस्तेमाल घृणित एवं क्रूर है। विश्व भर में जब ऐसे हथियारों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, तब सेना ने उन्हें लोगों के बरामदों, मकानों और यहां तक कि सीढ़ियों तथा गिरजाघरों के आसपास भी बिछा दिया है।''

ब्रिटेन में गरमी से राहत पाने के लिए समुद्र में नहाते हुए लोग।

ऋषि सुनक मतदान के एक और दौर के बाद दो उम्मीदवारों में जगह बनाने के और करीब पहुंचे

लंदन। पूर्व चांसलर ऋषि सुनक मंगलवार को मतदान के एक और दौर में शीर्ष पर रहे और दो उम्मीदवारों में से एक के रूप में अपने स्थान के करीब पहुंच गए, जो कंजरवेटिव पार्टी के नये नेता और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चुने जाने के लिए आमने-सामने होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि केमी बैडेनोच इस दौड़ से बाहर होने वाली नवीनतम उम्मीदवार बन गई हैं। भारतीय मूल के पूर्व चांसलर सुनक को उनकी पार्टी के सहयोगियों द्वारा चौथे दौर के मतदान में 118 वोट मिले, जो कि उन्हें बोरिस जॉनसन की जगह लेने की दौड़ में अंतिम दावेदारों में से एक के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए जरूरी 120 वोट या कंजर्वेटिव पार्टी के एक तिहाई सांसदों से थोड़ा ही कम है। सुनक (42) ने सोमवार के 115 वोटों से अपनी संख्या में बढ़ोतरी की, जबकि व्यापार मंत्री पेनी मोर्डंट को 92 वोट मिले और विदेश मंत्री लिज़ ट्रूस को 86 वोट मिले। इसके चलते दूसरे स्थान पर रहने की दौड़ अब भी खुली हुई है। हालांकि मॉर्डंट सोमवार की तुलना में 10 अधिक वोटों के साथ अपने स्थान पर कायम हैं, तीसरे स्थान पर ट्रूस ने 71 के अपने अंतिम संख्या के बाद सबसे अधिक वोट प्राप्त किए हैं। पूर्व मंत्री बैडेनोच 59 मतों के साथ इस दौड़ से बाहर हो गई हैं।

तबाही की कगार पर यूक्रेन! रूस ने बड़े शहर ओडेसा में की बमबारी, पुतिन वार्ता के लिए ईरान गए

कीव (एजेंसी)।

रूस के सुरक्षा बलों ने मंगलवार तड़के दक्षिणी यूक्रेन के बंदरगाह शहर ओडेसा के आसपास के गांवों पर मिसाइल दागकर इमारतों, एक स्कूल और एक सामुदायिक केंद्र को निशाना बनाया। वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के अनाज के निर्यात को खोलने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए ईरान में हैं। रूसी सेना ने ओडेसा क्षेत्र में सात कैलिबर क्रूज मिसाइल दागी।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बिलेंके गांव पर हमले का लक्ष्य सैन्य ठिकाना था और ''अमेरिका तथा यूरोपीय देशों द्वारा आपूर्ति किए गए हथियारों के डिपो को नष्ट कर दिया गया।'' यूक्रेन के एक स्थानीय अधिकारी ने रूस के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि हमले में छह लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्रीय सरकार के स्पीकर सर्हेई ब्राटचुक ने यूक्रेन के टेलीविजन चैनल से कहा, ''रिहायशी क्षेत्र पर हमले किए गए। उनका एकमात्र लक्ष्य लोगों और प्रशासन को डराना तथा हमेशा तनाव बनाए रखना है।'' रूस की सेना ने हालिया हफ्तों में ओडेसा और दक्षिण यूक्रेन के कई हिस्सों को निशाना बनाया है जहां उसके सैनिकों ने युद्ध के शुरुआती दिनों में नियंत्रण बनाया था। इन क्षेत्रों पर यूक्रेन के संभावित जवाबी हमलों के मद्देनजर रूस ने हमले तेज किए हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि

पिछले 24 घंटे के दौरान देश भर में रूसी सैनिकों की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। इस बीच, पूर्वी हिस्से में यूक्रेन के सैनिक क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्सक में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। दोनेत्सक के गवर्नर पावलो किरिलेंको ने टेलीविजन पर कहा, ''मिसाइल हमलों से शहरों के बुनियादी ढांचे को व्यवस्थित रूप से नष्ट किया जा रहा है और आवश्यक सुविधाओं से वंचित नागरिक आबादी सबसे ज्यादा प्रभावित है।'' वहीं, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने युद्ध को लेकर अपने आकलन में कहा कि रूस आक्रमण की शुरुआत से ही प्रभावी क्षमता दिखाने में संघर्ष कर रहा है और दिन बीतने के साथ यह समस्या गंभीर होती जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि रूसी सेना आगे कुछ और क्षेत्रों पर नियंत्रण बना ले लेकिन उसकी युद्धक क्षमता कमजोर हुई है।

लद्दाख गतिरोध को सुलझाने के लिए भारत-चीन सैन्य वार्ता रचनात्मक, दूरंदेशी: बीजिंग

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने मंगलवार को पूर्वी लद्दाख में टकराव के शेष बिंदुओं पर मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत-चीन वार्ता के 16वें दौर को रचनात्मक और दूरंदेशी करार दिया। इसने कहा कि दोनों देशों द्वारा जारी किए गए संयुक्त बयान में बैठक के बारे में सकारात्मक टिप्पणी की गई। दोनों देशों की सेनाओं के बीच नए दौर की वार्ता वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की तरफ चुशूल-मोल्दो क्षेत्र में रविवार को हुई थी। वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेह स्थित 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिला प्रमुख मेजर जनरल यांग लिन ने किया था। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने यहां एक प्रेस वार्ता में कहा कि चीन-भारत के बीच कोर कमांडर स्तर की बैठक रचनात्मक और दूरदेशी रही। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि वार्ता में कोई सफलता नहीं मिली। झाओ ने कहा, उन्होंने अपने नेताओं द्वारा शेष मुद्दों के जल्द से जल्द समाधान के वास्ते काम करने के लिए दिए गए मार्गदर्शन को ध्यान में रखते हुए विचारों का स्पष्ट और गहन आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत होने के साथ ही एक-दूसरे के निकट संपर्क में रहने तथा सैन्य एवं राजनयिक माध्यम से बातचीत बनाए रखने और शेष मुद्दों का पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान ढूंढ़ने पर भी सहमत हुए। झाओ ने कहा, दोनों पक्षों की ओर से एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई, जिसमें बैठक के बारे में सकारात्मक टिप्पणी की गई। इन खबरों के बारे में पूछे जाने पर कि भारत ने विवादित सीमा क्षेत्र के पास चीनी विमान के उड़ने पर विरोध दर्ज कराया था, उन्होंने कहा, मुझे आपके द्वारा उठाए गए विशिष्ट प्रश्न के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि चीन हमेशा भारत और चीन के बीच हुए प्रासंगिक समझौतों के अनुसार सीमावर्ती क्षेत्रों में सामान्य गतिविधियां करता है। इसके साथ ही, हम हमेशा भारतीय पक्ष से इन समझौतों का पालन करने के लिए कहते हैं।

रानिल विक्रमसिंघे चुने गए श्रीलंका के राष्ट्रपति, 134 सांसदों का वोट हासिल कर जीता चुनाव

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका की संसद ने रानिल विक्रमसिंघे को देश का नया राष्ट्रपति निर्वाचित किया। सभी सांसदों ने उन्हें अपना नया राष्ट्रपति चुन लिया है। रानिल विक्रमसिंघे 225 सदस्यीय संसद में 134 वोट मिले हैं। इस समय विक्रमसिंघे श्रीलंका के कार्यवाहक राष्ट्रपति का पद संभाल रहे हैं। नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए ससंद में सभी सांसद शामिल रहे और सबने अपना वोट डाला। सांसद के अलावा संसद में पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे भी मौजूद थे। इस बीच संसद के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई। संसद में किसी को भी फोन लाने की इजाजत नहीं थी। जानकारी के लिए बता दें कि राष्ट्रपति पद के लिए मुकाबला

तीन उम्मीदवारों के बीच हुआ था। कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, डलास अल्हाप्पेरुमा और वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को मंगलवार को सांसदों ने राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवारों के रूप में प्रस्तावित किया था।

अफगानिस्तान: बेकरी के बाहर रोज रोटी के इंतजार में बैठती हैं नीले बुर्कों में महिलाएं, किडनी बेचने को हो रहे मजबूर

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से एक दिल दहला देने वाली तस्वीरें सामने आ रही है जहां नीले बुर्के में दर्जनों महिलाएं शहर के बेकरियों के बाहर लाइन लगाकर बैठी हुई है। इन महिलाओं को इंतजार है कि कोई भी राहगीर उन्हें रोटियां खरीदकर दे देगा। पिछले साल अगस्त में जब से तालिबानियों ने अफगानिस्तान मुल्क पर कब्जा किया है तभी से यह अदांजा लगाया जा सकता है कि देश में गरीबी कितनी ज्यादा बढ़ चुकी है। अर्थिक तंगी के बुरे दौर से गुजर रहा अफगानिस्तान अब खाने-खाने को तरस रहा है। हिंदी न्यूज एनबीटी की एक रिपोर्ट के हवाले से एनपीआर की रिपोर्ट सामने आई है जिसमें बताया गया है कि महिलाएं अपने बच्चों के खाने के लिए कितना ज्यादा तरस रही है।बैठी महिलाओं में से एक शामिल खदीजा के मुताबिक वह हर रोज पैदल चलकर बेकरी तक आती है और अपने फटे-पुराने बुर्के में खाना मिलने के इंतजार में बैठी रहती है।

खदीजा 9 बच्चों की मां है और वो बताती है कि उसकी बच्चियां भूख से रोती रहती हैं। खादीजा और मीडिया के सामने आने वाली अन्य महिलाओं ने रिपोर्ट में केवल अपना पहला नाम इस्तेमाल करने की गुजारिश की क्योंकि उन्हें भीख मांगते हुए शर्म महसूस होती है। काबुल की सड़कों पर बैठी इन महिलाओं की तस्वीर इस बात का सबूत पेश करते है कि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था कितनी नीचे दर पर पहुंच गई है और जनता का हाल बेहाल हो गया है। अफगानिस्तान पिछले पांच साल में महामारी और भूकंप की मार झेल चुका है।तालिबान के सत्ता में आने के बाद पश्चिमी देशों ने अफगानिस्तान को दी जाने वाली मदद को रोक दिया जिससे हालात और खराब हो गए।

महिलाओं के मुताबिक, जब वह बेकरी पहुंचती है तो वहां महिलाओं की भीड़ पहले से ही रोटी के इंतजार में बैठ जाती है। कुछ महिलाएं फुटपाथ पर बैटी रहती है। महिलाएं काबुल की बड़ी-बड़ी बेकरियों के सामने बैठती हैं जहां आने वाले ग्राहक अमीत होते हैं और उन्हें रोट खरीद कर देते हैं। खदीजा के मुताबिक, बहुत बार उन्हें काली हाथ लौटना पड़ता है। ऐसे में उन्हें पड़ोसियों के घर-घर जाकर खाना मांगना पड़ता है। कर्ज में डूबे अफगानिस्तान के लोग अब अपना घर, जमीन और यहां तक की किडनी भी बेचने को मजबूर हो गए हैं।

पर्यावरण से सेहत पर असर के बारे में ऑस्ट्रेलिया की सबसे महत्वपूर्ण रिपोर्ट जारी, गंभीर निष्कर्ष

सिडनी, मेलबर्न (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन का अत्यधिक दबाव है और ऑस्ट्रेलिया में आज देशज से ज्यादा विदेशी प्रजातियों के पौधे हैं। आज जारी 'स्टेट ऑफ द एनवॉयरनमेंट रिपोर्ट' में यह बात कही गयी है।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि सूचीबद्ध संकटग्रस्त प्रजातियों की संख्या वर्ष 2016 से आठ फीसदी बढ़ गयी है और आने वाले दशकों में और प्रजातियों के विलुप्त होने की आशंका है। यह रिपोर्ट 30 से अधिक विशेषज्ञों द्वारा दो साल से अधिक समय तक हजारों घंटे के परिश्रम के बाद तैयार की गयी है। ऑस्ट्रेलिया ने 1995 से हर पांच साल में पर्यावरण की राष्ट्रीय स्थिति पर रिपोर्ट जारी की है। इसमें ऑस्ट्रेलिया के पर्यावरण और धरोहरों के हर पहलू का आकलन है, नदियों, समुद्रों, वायु, हिम, भूमि और शहरी क्षेत्रों की भी बात है। पिछली रिपोर्ट 2017 में जारी की गयी थी। इस बार की रिपोर्ट और अधिक विस्तृत है जिसमें बताया गया है कि हमारा पर्यावरण किस तरह ऑस्ट्रेलियाइयों की सेहत और कुशलक्षेम को प्रभावित कर रहा है। इसमें पहली बार स्वदेशी लेखकों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के मुख्य लेखक के रूप में हम यहां इसके प्रमुख निष्कर्षों को प्रस्तुत कर रहे हैं। 1. ऑस्ट्रेलिया का पर्यावरण सामान्य तौर पर बिगड़ रहा है। हमारी प्राकृतिक पूंजी - मूल वनस्पतियों, मिट्टी, नम भूमि, शैल भित्तियों, नदियों और जैव-विविधता आदि की स्थिति और मात्रा में सतत क्षय हो रहा है।

इस तरह के संसाधन खाद्य सामग्री, स्वच्छ जल, सांस्कृतिक संपर्क आदि प्रदान करके ऑस्ट्रेलिया वासियों को लाभान्वित करते हैं। जून 2021 में संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध पौधों और पशुओं की प्रजातियों की संख्या 1,918 हो गई जो 2016 में 1,774 थी। ऑस्ट्रेलिया का समुद्र तट भी खतरे में है। पानी की खराब गुणवत्ता आदि के कारण समुद्र तटीय क्षेत्र में शैल-भित्तियां बहुत खराब स्थिति में हैं। मुरे डार्लिंग बेसिन समेत अंतर्देशीय जलमार्ग प्रणालियां दबाव में हैं। 2. जलवायु परिवर्तन से हर पारिस्थितिकी तंत्र को खतरा है। जलवायु परिवर्तन भूमि की सफाई, आक्रामक प्रजातियों, प्रदूषण और शहरी विस्तार से हो रहे और पहले हो चुके नुकसान को और बढ़ा रहा है। अत्यधिक गर्मी या सर्दी के मौसम संबंधी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति बदल रही है। पिछले पांच वर्षों में, बाढ़, सूखा, जंगल की आग, तूफान और गर्मी के प्रकोप जैसी चरम घटनाओं ने ऑस्ट्रेलिया के हर हिस्से को प्रभावित किया है। विशिष्ट मौसम में जंगल में आग की अवधि लंबी होती जा रही है। एनएसडब्ल्यू में, उदाहरण के लिए, झाड़ियों में आग का सीजन अब लगभग आठ महीने तक फैला हुआ है। चरम घटनाएं भी पारिस्थितिक तंत्र को उन तरीकों से प्रभावित कर रही हैं जिन्हें कभी दस्तावेजी स्वरूप नहीं दिया गया। 3. स्वदेशी ज्ञान और प्रबंधन जमीनी बदलाव लाने में मदद कर रहे हैं। इसमें पारंपरिक अग्नि प्रबंधन शामिल है, जिसे भूमि प्रबंधन संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा महत्वपूर्ण ज्ञान के रूप में मान्यता दी जा रही है। उदाहरण के लिए स्वदेशी रेंजर राष्ट्रीय संरक्षित क्षेत्र की 44 प्रतिशत संपदा का प्रबंधन संभालते हैं और संघीय सरकार के स्वदेशी रेंजर कार्यक्रम के तहत 2,000 रेंजरों को वित्तपोषित किया गया है। स्वदेशी समुदायों को सशक्त बनाने और पर्यावरण तथा सामाजिक परिणामों को बेहतर बनाने के लिहाज से स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को सक्षम बनाने के लिए अभी भी काम किया जाना चाहिए। पर्यावरणीय क्षय और विनाश हमारे कुशलक्षेम को प्रभावित कर रहा है। इस रिपोर्ट में हम मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय क्षति के प्रत्यक्ष प्रभावों का दस्तावेजीकरण करते हैं। उदाहरण के लिए दावानल केधुएं से। मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक स्वस्थ वातावरण के परोक्ष लाभों की मात्रा निर्धारित करना कठिन है।

सुविचार विड़विड़ेपन को हमें हीनता की भावना का लक्षण समझना चाहिए। - एल्फ्रेड एडलर

संपादकीय

भारत में हिंदू अल्पसंख्यक हैं?

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

सर्वोच्च न्यायालय में आजकल एक अजीब-से मामले पर बहस चल रही है। मामला यह है कि क्या भारत के कुछ राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक माना जाए या नहीं? अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक होने का फैसला राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए या राज्यों के स्तर पर? अभी तक सारे भारत में जिन लोगों की संख्या धर्म की दृष्टि से कम है, उन्हें ही अल्पसंख्यक माना जाता है। इस पैमाने पर केंद्र सरकार ने मुसलमानों, ईसाइयों, पारसियों, सिखों, बौद्धों और जैनियों को अल्पसंख्यक होने की मान्यता दे रखी है। यह मान्यता इन लोगों पर सभी प्रांतों में भी लागू होती है। जिन प्रांतों में ये लोग बहुसंख्यक होते हैं, वहां भी इन्हें अल्पसंख्यकों की सारी सुविधाएं मिलती हैं। ऐसे समस्त अल्पसंख्यकों की संख्या सारे भारत में लगभग 20 प्रतिशत है। अब अदालत में ऐसी याचिका लगाई गई है कि जिन राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हैं, उन्हें वहां भी बहुसंख्यक क्यों माना जाता है? जैसे लद्दाख, मिजोरम, लक्षद्वीप, कश्मीर, नागालैंड, मेघालय, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में हिंदुओं की संख्या सिर्फ 1 प्रतिशत से लेकर ज्यादा से ज्यादा 41 प्रतिशत है। इन राज्यों में उन्हें अल्पसंख्यकों को मिलनेवाली सभी सुविधाएं क्यों नहीं दी जातीं? यही बात भाषा के आधार पर भी लागू होती है। यदि महाराष्ट्र में कन्नड़भाषी अल्पसंख्यक माने जाएंगे तो कर्नाटक में मराठीभाषी अल्पसंख्यक क्यों नहीं कहलाएंगे? यदि अल्पसंख्यकता का आधार भाषा को बना लिया जाए तो भारत के लगभग सभी भाषाभाषी किसी न किसी प्रांत में अल्पसंख्यक माने जा सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर जो बहस चलाएगा, वह बंधे-बंधाए घेरे में चलाएगा और उक्त कुछ राज्यों में हिंदुओं को शायद वह अल्पसंख्यकों का दर्जा भी दे दे। लेकिन यह अल्पसंख्यकवाद ही मेरी राय में त्याज्य है। देश के किसी भी व्यक्ति को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक का दर्जा देना अपने आप में गलत है। यदि यह राज्यों में भी सभी पर लागू कर दिया गया तो यह अनगिनत मुसीबतें खड़ी कर देगा। हर वर्ग के लोग सुविधाओं के लालच में फंसकर अपने आप को अल्पसंख्यक घोषित करवाने पर उतारु हो जाएंगे। इसके अलावा राज्यों का नक्शा बदलता रहता है। जो लोग किसी राज्य में आज बहुसंख्यक हैं, वे ही वहां कल अल्पसंख्यक बन सकते हैं। जाति, धर्म और भाषा के आधार पर लोगों को दो श्रेणियों में बांटकर रखना राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से भी उचित नहीं है। अपने आप को ये लोग भारतीय कहने के पहले फलां-फलां जाति, धर्म या भाषा का व्यक्ति बताने पर आमादा होंगे। यह सांप्रदायिक और सामाजिक बंटवारा हमारे लोकतंत्र को भी अंदर से खोखला करता रहता है। जब साधारण लोग मतदान करने जाते हैं तो अक्सर वे जाति, धर्म और भाषा को आधार बनाते हैं, जो कि भेड़ियाधसान के अलावा कुछ नहीं है। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब मतदाता लोग शुद्ध गुणावगुण के आधार पर वोट डालते हैं। यह तभी संभव है, जबकि हमारे सार्वजनिक और सामूहिक जीवन में जाति, धर्म और भाषा को अत्यंत सीमित महत्व दिया जाए। निजी जीवन की महत्वपूर्ण पहचानों को सार्वजनिक जीवन पर लादना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)

भूपेंद्र सिंह हुड्डा

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर किसानों को फिर से आंदोलन के रास्ते पर देखना वास्तव में दुखद है। किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी की कानूनी गारंटी न दिये जाने के खिलाफ राष्ट्रव्यापी 'विश्वासघात सम्मेलन' और 31 जुलाई को देशभर में 'चक्का जाम' का आह्वान किया है। किसानों के साथ यह रवैया पीड़ादायक है। सरकार के वादे के बाद ही आंदोलनकारी किसान 18 महीने के लम्बे आंदोलन को खत्म करने पर सहमत हुए थे, जिसमें सरकार ने एमएसपी को कानूनी गारंटी के लिए एक कमेटी बनाने का लिखित आश्वासन दिया था पर सरकार ने उसे पूरा नहीं किया। यूं तो हर साल सरकार 23 फसलों के लिए एमएसपी घोषित करती है लेकिन सरकारी एजेंसियां केवल लगभग 6 प्रतिशत किसानों से धान और गेहूं तक ही खरीद सीमित रखती हैं। देश के करीब 94 फीसदी किसानों को एमएसपी का फायदा नहीं मिल पाता है। किसानों के हितों पर सरकार का रुख ऐसा है कि पहले 10 मिलियन टन से अधिक गेहूं का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात करवा दिया व फिर गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। निर्यात से किसानों को फायदा नहीं मिला बल्कि इसे चंद निर्यातकों ने हड़प लिया। गेहूं के निर्यात में हुई इस गड़बड़ी ने हमारे देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। सरकार ने जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के गेहूं और चावल आवंटन के अनुपात को भी बदल दिया है। 10 राज्यों के गेहूं आवंटन में भारी कटौती की गई है। निर्यात के कारण केंद्रीय पूल में गेहूं का स्टॉक 2008 के स्तर से भी नीचे चला गया है, जो पिछले 15 वर्षों में सबसे कम है। पीडीएस के 80 करोड़ प्रत्यक्ष लाभार्थियों की ओर देखा जाए तो इस संकट के स्तर का अंदाजा लगता है। रबी सीजन 2021-22 के दौरान केंद्रीय पूल के लिए 43.34 मिलियन टन गेहूं की खरीद की गई थी। मौजूदा सीजन में 50 मिलियन टन खरीद के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ 18.73 मिलियन टन ही खरीद हुई, जो पिछले सीजन की तुलना में 56.7 फीसदी कम है। चंद निर्यातकों के लिए हितकारी गेहूं निर्यात नीति को देखना वास्तव में पीड़ादायक रहा, जिसके चलते स्थानीय अनाज मंडियों में गेहूं की कीमतें 2075 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी से भी कम हो गईं। जबकि, अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में गेहूं की कीमतें 3500 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई थीं। मौजूदा खरीफ सीजन में किसानों को मूंग और मक्का का एमएसपी नहीं मिल रहा। अन्नदाता के साथ ये रवैया जायज़ नहीं कहा जा सकता, क्योंकि देश की खाद्य सुरक्षा मिशन की बुनियाद ही किसान हैं। मेरा मानना है कि केंद्र सरकार एमएसपी की कानूनी गारंटी के वादे को पूरा करे और आज से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र में विधेयक पेश करे। एमएसपी से कम दर पर कृषि उपज खरीदना कानूनन दंडनीय होना चाहिए। एमएसपी की गणना सी2 फार्मूले के आधार पर और डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के अनुरूप होनी चाहिए। वहीं एमएसपी पर सरकार की ओर से कोई जवाबदेही न होना और भी ज्यादा परेशानी कारक है। दरअसल, किसानों से संबंधित मुद्दों पर सरकार की जुबान में एकरूपता नहीं है। किसानों की आय बढ़ाने वाली प्रमुख योजनाएं औंधे मुंह गिरी हैं। साल 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा भी जुमला साबित हो गया है। क्या अब किसानों के लिए तय सारे महान लक्ष्यों को अगले 25 वर्षों में पूरा किया जाएगा, जिसे सरकार 'अमृत काल' कह रही है। किसानों से जुड़े असल मुद्दों को ईमानदारी और पारदर्शिता से हल नहीं करने से 'आबरा का डाबरा' से ज्यादा और कुछ नहीं होगा। किसानों की आमदनी दोगुनी करने पर बनी सरकारी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, 2015-16 में किसान परिवार की न्यूनतम आय 8,059 रुपये प्रति माह थी। मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए इसे वास्तविक रूप में दोगुना किया जाना था। ऐसे में 2022 तक हर किसान परिवार की आय कम से कम 21,146 रुपये प्रति माह होनी चाहिए थी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के आंकड़ों के अनुसार 2018-19 में किसान परिवार की अनुमानित मासिक आय सिर्फ 10,218 रुपये प्रति माह ही थी। इसके उलट, पिछले कुछ वर्षों के दौरान डीजल, खाद, कीटनाशक जैसे कृषि इनपुट की लागत लगभग दोगुनी हो गई। यानी किसान की आमदनी नहीं बल्कि खर्चा दोगुना हो गया है। नीति आयोग के एक सदस्य के हालिया बयानों को देखा जाए तो सरकार एमएसपी की कानूनी गारंटी देने के पक्ष में नहीं लगती है। सरकार को मौजूदा एमएसपी योजना का विस्तार करके उसे और मजबूत करना होगा, साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एमएसपी व्यवस्था के तहत सभी 23 फसलों पर ज्यादा से ज्यादा किसानों को एमएसपी का फायदा मिले। किसानों को इसलिए एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग करनी पड़ रही है क्योंकि एमएसपी के प्रति सरकारों की प्रतिबद्धता का अभाव है। यही कारण है कि किसानों की मांग जायज है और उसे हर वर्ग का समर्थन हासिल है। 2004 में गेहूं का एमएसपी 580 रुपये प्रति क्विंटल था जो 2014 तक बढ़कर 1,310 रुपये पहुंच गया, ये सालाना 12.2 प्रतिशत औसत वृद्धि थी। जबकि भाजपा सरकार के आठ साल में गेहूं की एमएसपी में औसतन 5.5 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई। वहीं यूपीए के 2004 से 2014 के कार्यकाल में धान के एमएसपी में 14 प्रतिशत की वृद्धि मौजूदा केंद्र सरकार के कार्यकाल में औसतन 6 प्रतिशत पर अटक गई। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 'बाकी सब कुछ इंतजार कर सकता है, लेकिन कृषि नहीं'। उनकी दूरदृष्टि, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नारे 'जय जवान, जय किसान' से मिली प्रेरणा, डॉ. रामधन सिंह, एमएस स्वामीनाथन, डॉ वर्गीज कुरियन जैसे कृषि वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और हमारे किसानों व खेत मजदूरों के अथक परिश्रम ने भुखमरी और अनाज की कमी झेल रहे देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। मौजूदा कृषि संकट को हम भली-भांति समझते हैं। किसानों की आय बढ़ाने, गरीबी मिटाने और किसानों-खेत मजदूरों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ कृषि संकट को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कृषि केवल एक व्यवसाय या आर्थिक गतिविधि नहीं है बल्कि देश की बड़ी आबादी के लिए जीवन जीने की एक पारंपरिक पद्धति है। यह खेत और फसलों से कहीं अधिक है। यह किसान परिवार की विरासत भी है और उनका भविष्य भी है। मेरा मानना है कि कृषि सुधार और नीतियां किसानों की सहमति से और किसान पर ही केंद्रित होनी चाहिए। कृषि उत्पाद खरीदने के लिए उपभोक्ता जितना भुगतान कर रहा है उसका कम से कम 50 प्रतिशत किसान को मिले, यह जरूरी है। इस मुद्दे को विस्तार से देखने के लिए इसके व्यापक अध्ययन की भी जरूरत है। किसानों को संकट में डालने वाले मुद्दों के समाधान के लिए देश को नीतियों पर व्यापक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

लेखक हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री हैं।

प्लास्टिक के उत्पादों का उपयोग

उम्मीद की राह/ ऋषभ मिश्रा

प्लास्टिक न केवल इंसानों बल्कि प्रकृति और वन्य जीवों के लिए भी खतरनाक है, लेकिन प्लास्टिक के उत्पादों का उपयोग दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। जिससे प्लास्टिक प्रदूषण सबसे अहम पर्यावरणीय मुद्दों में से एक बन गया है। दरअसल, देश में कचरा एकत्रित करने की कोई प्रभावी प्रणाली नहीं है। इसमें विशेष रूप से शामिल है 'सिंगल यूज प्लास्टिक' यानी ऐसा प्लास्टिक जिसे केवल एक ही बार उपयोग किया जा सकता है। प्लास्टिक की बोतलें, जो कि काफी सहूलियतनुमा लगती हैं, वे भी शरीर और पर्यावरण दोनों के लिए खतरनाक हैं। दरअसल, प्लास्टिक का करोड़ों टन कूड़ा रोजाना समुद्र और खुले मैदानों आदि में फेंका जाता है, जिससे समुद्र में जलीय जीवन प्रभावित हो रहा है। जमीन की उर्वरता निरंतर कम होती जा रही है। वहीं जहां-तहां फैला प्लास्टिक कचरा सीवर और नालियों को चोक करता है, जिससे बरसात में जलभराव का सामना करना पड़ता है। रोजाना सैकड़ों आवारा पशुओं की प्लास्टिकयुक्त कचरा खाने से मौत हो रही है तो वहीं इंसानों के लिए प्लास्टिक कैंसर का भी कारण बन रहा है। केंद्र सरकार के अभियान के बाद लोग पारम्परिक प्लास्टिक के विकल्प के रूप में अब नए प्रकार के प्लास्टिक को अधिक और व्यापक रूप से स्वीकार करने लगे हैं, जो कि पौधों से तैयार किया जाता है। मौजूदा पेट्रोलियम आधारित प्लास्टिक टिकाऊ, हल्के और सुविधा अनुकूल तो हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट, समुद्री प्रदूषण और ख़राब वायु गुणवत्ता में इनकी बढ़ती भूमिका को देखते हुए इन्हें चरणबद्ध तरीके से समाप्त किये जाने की आवश्यकता है। आज पेट्रोलियम आधारित प्लास्टिक का स्थान लेने का प्रमुख दावेदार बायोप्लास्टिक है। बायोप्लास्टिक पेट्रोलियम की बजाय अन्य जैविक सामग्रियों से बने प्लास्टिक को संदर्भित करता है। बायोप्लास्टिक बायोडिग्रेडेबल और कंपोस्टेबल प्लास्टिक सामग्री है। इसे मकई और गन्ने के पौधों से शुगर निकालकर तथा उसे पॉलिलैक्टिक एसिड यानी कि पीएलए में परिवर्तित करके प्राप्त किया जाता है। इसे सूक्ष्मजीवों के पॉली हाइड्रोक्सी एल्केनोएट्स यानी कि पीएचए से भी बनाया जा सकता है। पॉलिलैक्टिक एसिड प्लास्टिक का आमतौर पर खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग में उपयोग किया जाता है जबकि पॉली हाइड्रोक्सी एल्केनोएट्स का अक्सर चिकित्सा उपकरणों जैसे- टांके और कार्डियोवैस्कुलर पैच (हृदय संबंधी सर्जरी) में प्रयोग किया जाता है। बायोप्लास्टिक में एक समान आणविक संरचना और गुण होते हैं, लेकिन वे प्राकृतिक संसाधनों जैसे कि पौधों पर आधारित स्टार्च और वनस्पति तेलों से प्राप्त होते हैं। ये ठीक से निपटाने पर अपघटित भी हो जाते हैं। बायोप्लास्टिक जलवायु के अनुकूल है और ये कार्बन उत्सर्जन में भागीदार भी नहीं होता है। बायोप्लास्टिक का वैश्विक उत्पादन 2021 में लगभग 24 लाख टन था और 2023 में इसके दोगुना होकर लगभग 52 लाख टन होने की उम्मीद है। इस मांग को देखते हुए कई खाद्य उद्योग, विशेष रूप से एकल-उपयोगकर्ता बायोप्लास्टिक का उपयोग शुरू कर रहे हैं। वहीं बड़ी मात्रा में बायोप्लास्टिक का उत्पादन विश्वस्तर पर भूमि उपयोग को बदल सकता है। इससे वन क्षेत्रों की भूमि कृषि योग्य भूमि में बदल सकती है। जो कि अधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने में सहायक सिद्ध होगा। वर्ष 2021 में लगभग साढ़े चार लाख टन उत्पादन के साथ, पीएलए दुनिया में सबसे बड़े उत्पादित जैव अपघटीय पॉलिमर में से एक बन गया। लेकिन चुनौती लागत एवं उत्पादन की है।

आज के कार्टून

जिंदगी

आचार्य रजनीश ओशो/ आज तक का समाज दुख से भरा हुआ समाज है, उसकी ईंट ही दुख की है, उसकी बुनियाद ही दुख की है। जब दुखी समाज होगा तो समाज में हिंसा होगी क्योंकि दुखी आदमी हिंसा करेगा। जब समाज दुखी होगा और जीवन दुखी होगा तो आदमी क्रोधी होगा, दुखी आदमी क्रोध करेगा। और जब जिंदगी उदास होगी, दुखी होगी, तो युद्ध होंगे, संघर्ष होंगे, घृणा होगी। दुख सब चीज का मूल उद्गम है। यदि नये समाज को जन्म देना हो तो दुख की ईंटों को हटा कर सुख की ईंटें रखनी जरूरी हैं, तो वे तभी रखी जा सकती हैं, जब हम जीवन के सब सुखों को सहज स्वीकार कर लें और सब सुखों को सहज निमंतण्रदे सकें। जिंदगी का अपना सौंदर्य है, मृत्यु का अपना। जो देखने में समर्थ हो जाता है वह सब चीजों से सौंदर्य और सब चीजों से सुख पाना शुरू कर देता है। लेकिन यह क्यों भूल हो गई कि आदमी इतना उदास और दुखी क्यों हमने निर्मित किया? यह भूल इसलिए हो गई कि हम शरीर के शत्रु हैं। इंद्रियों के दुश्मन हैं। इंद्रियों की दुश्मनी की जरूरत नहीं है। इंद्रियों की गुलामी न हो, इतना ही काफी है। इंद्रियों की मालकियत बहुत है। लेकिन इंद्रियों की मालकियत के लिए इंद्रियों से दुश्मनी करने की कोई जरूरत नहीं है। सच तो यह है कि जिसके हम दुश्मन हो जाएं उसके हम मालिक कभी भी नहीं हो पाते। मालिक तो हम सिर्फ उसी के हो पाते हैं जिसे हम प्रेम करते हैं। इंद्रियों और शरीर की दुश्मनी के कारण एक द्वैत आदमी में हमने पैदा किया है। हमने बताया है कि शरीर कुछ और, इंद्रियां कुछ और, तुम कुछ और; और तुम्हारे और शरीर के बीच सतत दुश्मनी है, लड़ाई है। अब हम अपने ही द्वार-दरवाजों से लड़ रहे हैं। जैसे कोई आदमी एक घर में रहता हो, और अपनी खिड़कियों का दुश्मन हो जाए, अपने दरवाजों का दुश्मन हो जाए, और खिड़कियों और अपने बीच दुश्मनी मान ले। हम यहां जिस तरह की जिंदगी जीते हैं, आगे जो जिंदगी है हम उसके आधार यहीं रखते हैं, इसी पृथ्वी पर, इस पृथ्वी के विरोध में नहीं। अगर आत्मा की कोई जिंदगी है तो उसके आधार हम रखते हैं शरीर की जिंदगी में, शरीर के विरोध में नहीं। अगर अतींद्रिय कोई आनंद है, तो उनके भी आधार हम रखते हैं इंद्रियों के आनंदों में, उसके विपरीत नहीं। जिंदगी विरोध नहीं, हार्मनी है। यहां किसी चीज में कोई विरोध नहीं है। न शरीर और आत्मा में विरोध है, न पदार्थ और परमात्मा में विरोध है। यहां किसी चीज में विरोध नहीं है, जिंदगी एक इकट्ठी चीज है।

सू-दोकू नवताल 2170

		9	1		3		6	7
1				9				8
	8				6		4	
8					2	6		5
	5						2	
2		4	7					3
	3		2				8	
6				3				1
7	1		9		5	4		

सू-दोकू 2169 का हल

5	2	9	8	7	6	3	4	1
3	8	1	5	9	4	2	7	6
7	4	6	1	3	2	8	5	9
4	5	8	2	1	9	6	3	7
9	7	2	6	4	3	5	1	8
1	6	3	7	5	8	4	9	2
2	9	7	3	6	5	1	8	4
8	3	4	9	2	1	7	6	5
6	1	5	4	8	7	9	2	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2170

बायें से दायें:-

1. 'जान की कसम सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पहली पहली बार बलिये' गीत वाली अक्षय कुमार, प्रीति की फिल्म-3
5. आफताब शिवदासानी, युक्ता मुखी की 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली फिल्म-2
7. 'तू मेरे पास भी है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, मनोज राजपाल, उर्मिला की फिल्म-2
9. फिल्म 'सत्यकाम' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी ?-3
11. गोविंदा, उर्मिला मातोंडकर की 'ये लड़की जवान हो गई' गीत वाली फिल्म-3
13. राकेश रोशन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2,2
14. 'तेरे संग प्यार मैं' गीत वाली फिल्म-3
15. फिल्म 'जय संतोषी मां' के गीत 'मैं तो आरती उतारूं रे' की गायिका-2
17. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन अभिनीत फिल्म-2
18. मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा, सरिता अभिनीत फिल्म-3
21. 'चंदा मामा दूर के' गीत वाली फिल्म-3
23. रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-2
24. सनी देओल, रवीना टंडन की 'सैंया मान दिल की बात' गीतवाली फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2
28. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था ?-4
30. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-3
31. फिल्म 'पाप की कमाई' में सनी देओल के साथ नायिका -3
32. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
2. 'आ लग जा गले' गीत वाली फिल्म-2,2
4. विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-2
6. राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-2
8. 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-3
10. अजय, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
12. अशोक पिच्चर्स द्वारा निर्मित अशोक कुमार, किशोर कुमार, पद्मिनी की 1958 की एक फिल्म-3
15. शशि कपूर, शेखर सुमन, रेखा, नीना गुप्ता की फिल्म-3
16. फिल्म 'लव लव लव' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी ?-2
17. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
18. मिथुन, जैकी, जूही, दिव्या भारती की 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली फिल्म-4
19. 'छम से वो आ जाए' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक, जायेद, एशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-2
22. 'कल की हसीं मुलाकात के लिए' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
25. जैकी, अक्षय खन्ना, डिम्पल, मनीषा की 'आ कहीं दूर चले जाएं हम' गीत वाली फिल्म-4
26. साधना के डबल रोल वाली फिल्म 'मेरा साया' का नायक कौन था ?-3
28. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, मनोज वाजपेई, रवीना, नंदिता की फिल्म-2
29. 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी ?-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2169

मि	ली	■	अ	स	ली	न	क	ली	■
ला	■	अ	म	र	■	गी	■	ना	ना
प	ह	चा	न	■	अ	ना	ड़ी	■	र
■	म	न	■	क्रो	ध	■	■	रा	ज
फा	■	क	र्म	■	र्म	■	स	नी	■
गु	प्ता	■	■	दु	■	शा	न	■	डो
न	■	को	य	ला	■	का	म	चो	र
■	आ	ह	■	री	ना	■	■	ट	■
रा	जा	रा	नी	■	दा	ग	■	■	बा
■	द	■	तू	फा	न	■	दि	ल्ल	गी

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है। हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। विठ्ठल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहस्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फग्र्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के विठ्ठल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

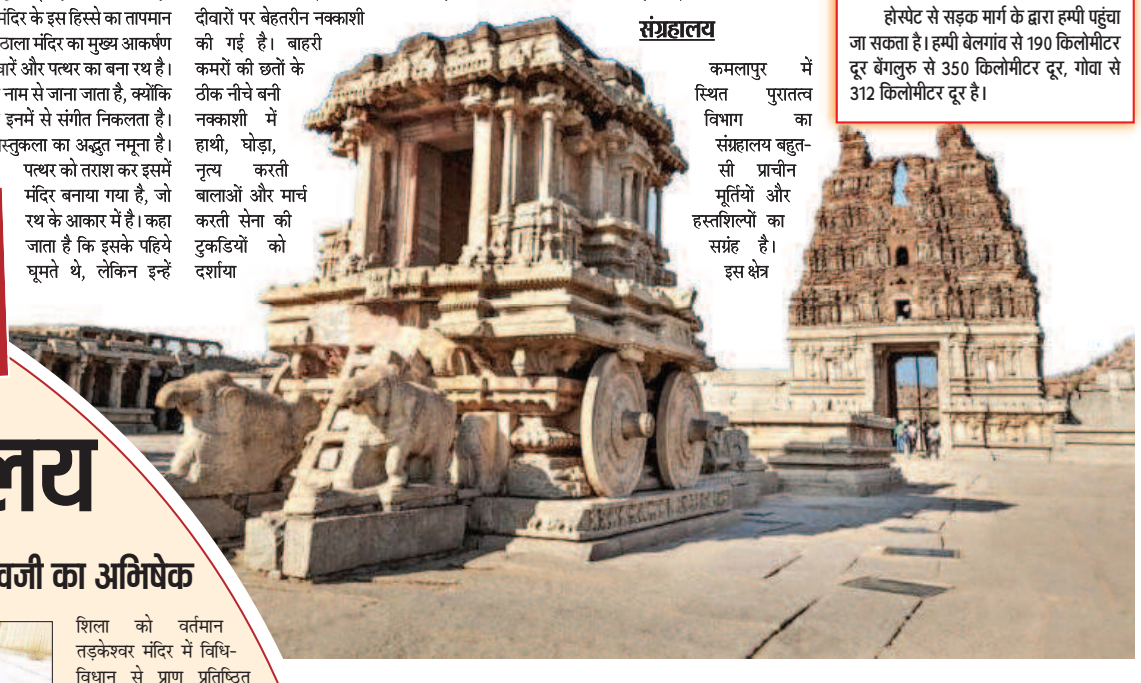

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झूंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर

स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्क़ाशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात

से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

बीते वर्ष शोध एवं विकास क्षेत्र में 34.36 करोड़ डॉलर का विदेशी निवेश

नई दिल्ली । अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बीते साल 2021 में बढ़कर 34.36 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2020 में अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में 5.57 करोड़ डॉलर का विदेशी निवेश आया था। शोध एवं विकास क्षेत्र में कुछ मान्य नियम, नियमनों, सुरक्षा और अन्य शर्तों के साथ स्वतः मंजूर मार्ग से शतप्रतिशत एफडीआई की अनुमति है। वर्ष 2021 में सिंगापुर शोध एवं विकास में निवेश करने वाला प्रमुख देश रहा। कुल निवेश प्रवाह में से 40 प्रतिशत अकेले सिंगापुर से आया। इसके बाद 35 प्रतिशत के साथ जर्मनी दूसरे और 11 प्रतिशत के साथ अमेरिका तीसरे स्थान पर रहा।

वेदांता निदेशक मंडल ने दूसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दी

नई दिल्ली । खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता के निदेशक मंडल ने चालू वित्त वर्ष के लिए 19.50 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी है। इस हिसाब से भुगतान की कुल राशि 7,250 करोड़ रुपए बैठती है। वेदांता ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा` कि कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रस्ताव के माध्यम से 19.50 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी। एक रुपए के अंकित मूल्य पर 1,950 प्रतिशत के लाभांश को स्वीकृति दी गई है, जो 7,250 करोड़ रुपए बैठेगा। कंपनी के अनुसार, लाभांश के भुगतान की रिकॉर्ड तिथि 27 जुलाई है।

अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में रही तेजी

नई दिल्ली । अमेरिका की आईटी कंपनियों और बैंकों के बेहतर तिमाही नतीजों के बल पर वहां के शेयर बाइजार ने जोरदार बढ़त हासिल की है। महंगाई और ब्याज दरें बढ़ने के दबाव के बावजूद निवेशकों ने बाजार पर भरोसा जताया। यही कारण रहा कि पिछले सत्र में अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल नेस्डेक पर 3.11 फीसदी की मजबूत बढ़त दिखी। अमेरिका की तर्ज पर यूरोपीय बाजारों में भी पिछले कारोबारी सत्र में तेजी दिखी और सभी प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बड़ी बढ़त पर बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 2.69 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ, जबकि फ्रांस के शेयर बाजार में 1.79 फीसदी की तेजी रही। लंदन का स्टॉक एक्सचेंज भी 1.01 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ था।

बीते वित्त वर्ष अमूल समूह का कारोबार बढ़कर 61,000 करोड़ हुआ

अहमदाबाद । अमूल को-ऑपरेटिव समूह का कारोबार वित्त वर्ष 2021-22 में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 61,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने यह जानकारी दी। अमूल ब्रांड के तहत उत्पादों का विपणन करने वाले जीसीएमएमएफ के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में समूह ने 53,000 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। महासंघ के बताया कि जीसीएमएमएफ और उसकी सदस्य यूनियनों ने बीते वित्त वर्ष में कुल मिलाकर 61,000 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। वित्त वर्ष में 2020-21 में 53,000 करोड़ रुपए के कारोबार की तुलना में यह 8,000 करोड़ रुपए अधिक है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 629 अंक ऊपर आया , निफ्टी 16,520 पर बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी और ऊर्जा शेयरों में भारी खरीददारी के कारण आई है। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में भारी खरीदारी से बाजार को बल मिला। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी घटने से भी बाजार ऊपर आया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.47 फीसदी और ओएनजीसी का चार फीसदी बढ़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 629.91 अंक करीब 1.15 फीसदी ऊपर आकर 55,397.53 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 180.30 अंक तकरीबन 1.10 फीसदी मजबूत होकर 16,520.85 अंक पर बंद हुआ। टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, विप्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक और एशियन पेंट्स शामिल के शेयर गिरे हैं। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहा। बाजार जानकारों के अनुसार पेट्रोलियम क्षेत्र के लिये अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती तथा निर्यात शुल्क में कटौती की सरकार की घोषणा से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में आई तेजी

नई दिल्ली । लगातार दो दिन से क्रिप्टो बाजार का पूंजीकरण 1 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर बना हुआ है। वै श्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 4.23 फीसदी बढ़त के साथ 1.07 ट्रिलियन डॉलर हो गया गया है। लगभग सभी क्रिप्टोकरेंसीज् में उछाल आया है। बिटकॉइन 6.88 फीसदी की तेजी के साथ 23,419.77 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। यह एक सप्ताह में 20.25 फीसदी बढ़ा है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से यह स्थिर था या बहुत धीमी गति से बढ़ रहा था। दूसरे सबसे बड़े कॉइन इथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 2.67 प्रतिशत बढ़कर 1,558.24 डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले 7 दिनों में ईथर 48.14 बढ़ गया। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बिटकॉइन 42.2 फीसदी तो इथेरियम में 17.9 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है।

रिलायंस कैपिटल के लिए कई कंपनियां बोली लगाने की तैयारी में!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारी कर्ज संकट का सामना कर रहे उद्योगपति अनिल अंबानी की दिवालिया हो चुकी कंपनी रिलायंस कैपिटल के लिए कई कंपनियां बोली लगाने की तैयारी में हैं। सूत्रों के मुताबिक पीरामल ग्रुप की अगुवाई वाला कंसोर्टियम, इंडसइंड इंटरनेशनल, ओकट्री कैपिटल और कॉस्मी फाइनेंशियल समेत कई कंपनियों ने रिलायंस कैपिटल को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। रिलायंस कैपिटल के एक अे धिकारी ने संभावित एप्लिकेंट्स को दो विकल्प दिए हैं। वे पूरी कंपनी या अलग-अलग सहयोगी कंपनियों के लिए बोली लगा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक एडवेंट ने रिलायंस कैपिटल के लाइफ और नॉन-लाइफ इंश्योरेंस बिजनस को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इसी तरह यस बैंक और टू नॉर्थ फंड भी लाइफ इंश्योरेंस यूनिट को खरीदने के लिए बोली लगा सकते हैं। ब्लैकस्टोन और ज्यूरिख इंश्योरेंस जनरल इंश्योरेंस यूनिट के लिए बोली लगाने पर विचार कर रही हैं। इस बारे में पीरामल ग्रुप और ओकट्री ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रिलायंस कैपिटल के एडमिनिस्ट्रेटर को अब तक कोई भी रिजॉल्यूशन प्लान नहीं मिला है। लेकिन उन्होंने ऐसे निवेशकों की एक लिस्ट बनाई है जिन्होंने रिलायंस कैपिटल में दिलचस्पी दिखाई है। एडमिनिस्ट्रेटर ने इस बारे में ईटी के सवालों का जवाब नहीं दिया।

ग्राहकों को ह्यूंदै स्टारगेजर एमपीवी का इंतजार

-भारत में मारुति अर्टिगा से सीधी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत में ग्राहकों को अब ह्यूंदै स्टारगेजर एमपीवी का इंतजार है। भारत में इस कार की टक्कर मारुति अर्टिगा और एक्सएल6 जैसी कारों से होगी। इस कार को कंपनी ने हाल ही में इंडोनेशिया के मार्केट में लॉन्च किया है और अब भारत में इसकी एंट्री का इंतजार किया जा रहा है।इंडोनेशिया में इस कार की शुरुआती कीमत 12.91 लाख रुपये है और वहीं टॉप वेरियंट की कीमत 16.30 लाख रुपये है।

कार का 6 सीटर वर्जन ट्रेंड, स्टाइल और प्राइम वेरियंट्स के साथ आता है और आपको बता देंह्यूंदै स्टारगेजर को किआ केरेंस के मॉडिफाइड के1 प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। इस प्लेटफॉर्म का उपयोग हयूदै समूह की छोटी एसयूवी और ऑटोमोबाइल, जैसे कि सोनेट, वेन्यू और ग्रांड आई10 नियोज जैसी कारों में भी किया जाता है। नए ह्यूंदै स्टारगेजर में मॉडर्न डिजाइन लैंग्वेज का इस्तेमाल किया गया है लेकिन भारत में इस कार की डिजाइन कुछ अलग हो सकती है।बात करें नई स्टारगेजर एमपीवी के इंटीरियर की तो इस एमपीवी में वायरलेस कनेक्शन और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट डैशबोर्ड के साथ एक बड़ा टचस्क्रीन एंटरटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं और साथ ही ऑटोमेटिक एयर कंडीशनिंग, मल्टी-फंक्शन स्टीयरिंग व्हील, रियर व्यू कैमरा, रियर एसी वेंट्स जैसे फीचर्स भी इस कार में मिलते हैं। इस कार के भारत में लॉन्च का काफी इंतजार किया जा रहा है।

भारत में लॉन्च होने के बाद यह कार एमपीवी सेगमेंट में कॉम्पिटिशन बढ़ा सकती है और यहां मारुति सुजुकी अर्टिगा एमपीवी सेगमेंट में बहुत पॉप्युलर है जिससे इस कार को कड़ी टक्कर मिलेगी। मालूम हो कि बीते कुछ वक्त में 7 सीटर कारों की पॉप्युलैरिटी पहले की अपेक्षा काफी बढ़ गई है। मिड साइज एसयूवी से लेकर एमपीवी मॉडल्स की काफी डिमांड है और इस वजह से कार निर्माता कंपनियां भी इस सेगमेंट में नए मॉडल्स ला रही हैं। किआ ने कुछ वक्त पहले भारतीय बाजार में किआ कैरेंस लॉन्च की थी जिसे भारत में बढ़िया रिस्पॉन्स मिला है। इस कार ने सेल के मामले में टोयोटा इनोवा को पीछे छोड़ दिया है।

हीरो स्प्लेंडर बनी नंबर 1 बाइक

-हर महीने 2-4 लाख यूनिट तक बिकती है बाइक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑटोमोबाइल कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की हीरो स्प्लेंडर बाइक नंबर 1 बन गई है। हीरो स्प्लेंडर प्लस की हर महीने 2-4 लाख यूनिट तक बिकती है और पिछले महीने भी कुछ ऐसे ही आंकड़े सामने आए और यानी जून 2022 में भी यह बाइक बेस्ट सेलिंग रही। हीरो स्प्लेंडर ने होंडा सीबी शाइन, हीरो एचएफ डीलक्स, बजाज पल्सर, हीरो ग्लैमर, बजाज प्लैटिना और रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 जैसी बहुत लोकप्रिय बाइक्स को बिक्री के मामले में पीछे छोड़ते हुए अपना नंबर 1 का ताज बरकरार रखा।भारत में पिछले महीने सबसे ज्यादा बिकने वाली टॉप 10 बाइक्स की बात करें तो पहले नंबर पर हीरो स्प्लेंडर का कब्जा रहा, जिसकी कुल 2,70,923 यूनिट पिछले महीने सेल हुईं। हीरो स्प्लेंडर की बिक्री में 2।62 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इसके बाद दूसरे नंबर पर होंडा सीबी शाइन रही और शाइन की कुल 1,25,947 यूनिट्स जून 2022 में सेल हुईं। हीरो एचएफ डीलक्स की 1,13,155 यूनिट बीते महीने बिकी और चौथे नंबर पर रही बजाज पल्सर की कुल 83,723 यूनिट पिछले महीने सेल हुईं। हीरो ग्लैमर बाइक बिक्री के मामले में पिछले महीने पांचवें नंबर पर रही और इसकी कुल 30,105 यूनिट जून 2022 में सेल हुईं।भारत में बेस्ट सेलिंग मोटरसाइकल की टॉप 10 लिस्ट देखें तो बजाज प्लैटिना छठे नंबर पर रही और इस लोकप्रिय बजट बाइक की कुल 27,732 यूनिट सेल हुईं। इसके बाद 7वें नंबर पर रॉयल एनफील्ड की पावरफुल बाइक क्लासिक 350 रही और इस बाइक की कुल 25,425 यूनिट बिकी हैं। यामाहा एफझेड

लिस्ट में 8वें नंबर पर रही और इसकी कुल 19,305 यूनिट पिछले महीने सेल हुईं। हीरो पैशन बेस्ट सेलिंग बाइक की टॉप 10 लिस्ट में 9वें नंबर पर कब्जा करने में कामयाब रही और इसकी कुल 18,560 यूनिट बिकी है। 10वें नंबर पर टीवीएस अपाचे रही, जिसकी कुल 16,737 यूनिट पिछले जून 2022 में सेल हुईं। बता दें कि हीरो मोटोकॉर्प भारत में सबसे बड़ी टू व्हीलर कंपनी है। भारत दुनिया के सबसे बड़े टू-व्हीलर मार्केट में से है और यहां हीरो स्प्लेंडर सबसे पॉप्युलर बाइक्स में से एक है।

अगले छह माह के लिए रियल एस्टेट क्षेत्र का परिदृश्य सकारात्मक

मुंबई ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की धारणा अप्रैल-जून तिमाही के दौरान थोड़ा कमजोर हुई है, लेकिन यह सकारात्मक बनी हुई है। रियल एस्टेट धारणा सूचकांक-दूसरी तिमाही में घटकर 62 अंक पर आ गया है। यह जनवरी-मार्च तिमाही में 68 अंक पर था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रमुख नीतिगत दर रेपो में दो दौर की कटौती की वजह से यह सूचकांक जून तिमाही में थोड़ा नीचे आया है। धारणा सूचकांक आपूर्ति पक्ष के अंशधारकों मसलन डेवलपर्स, निवेशक और वित्तीय संस्थानों के सर्वे पर आधारित है। इस सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब धारणा के सकारात्मक होने से है। वहीं इसके 50 से नीचे होने का आशय नकारात्मक धारणा से है। सर्वे एजेंसी का मनाना हैं कि मई और जून में रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में दो बार वृद्धि की गई है। इसकी वजह से मौजूदा धारणा सूचकांक में गिरावट आई है। अगले छह माह के लिए रियल एस्टेट क्षेत्र का परिदृश्य सकारात्मक है, लेकिन यह मार्च तिमाही की तुलना में इतना मजबूत नजर नहीं आ रहा है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का मुनाफा जून तिमाही में 14 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

तेल, साबुन और शैंपू जैसे दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर का एकीकृत शुद्ध लाभ जून 2022 को समाप्त पहली तिमाही में 13.85 प्रतिशत बढ़कर 2,391 करोड़ रुपए पर पंहुच गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में कंपनी को 2,100 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आलोच्य तिमाही में कंपनी की कुल आय 20.36 प्रतिशत बढ़कर 14,757 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले अप्रैल-जून तिमाही में यह 12,260 करोड़ रुपए थी। कंपनी का कुल खर्च जून 2022 को समाप्त तिमाही में 20.79 प्रतिशत बढ़कर 11,531 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 9,546 करोड़ रुपए था। एचयूएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक संजीव मेहता ने कहा` कि उच्च मुद्रास्फीति और उसका खपत पर प्रभाव के साथ चुनौतीपूर्ण परिवेश में जून तिमाही के दौरान आय और लाभ के मामले में हमारा प्रदर्शन बेहतर रहा है। परिदृश्य के बारे में उन्होंने कहा कि हालांकि मुद्रास्फीति को लेकर चिंता है लेकिन हाल में जिंसों के दाम में नरमी, मानसून के सामान्य रहने की भविष्यवाणी और सरकार की तरफ से किए गए मौद्रिक या राजकोषीय उपाय उद्योग के लिए बेहतर हैं।

सिट्रॉन ने सी3 मॉडल बाजार में उतारा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वाहन विनिर्माता सिट्रॉन इंडिया ने बुधवार को अपने नए मॉडल सी3 को 5.7 लाख रुपए की शुरुआती कीमत में बाजार में पेश किया। कंपनी ने सी3 के रूप में भारत में सब-4 मीटर श्रेणी में अपना पहला मॉडल उतारा है। इसे 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया गया है। स्टेलैंटिस समूह की कंपनी सिट्रॉन इंडिया ने सी3 मॉडल के शुरुआती संस्करण की कीमत 5.7 लाख रुपए तय की है जबकि शीर्ष संस्करण की कीमत 8.05 लाख रुपए रखी गई है। स्टेलैंटिस इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोलैंड बूचरा ने एक बयान में कहा कि सिट्रॉन ने सी3 के साथ भारत में बी-हैचबैक खंड में कदम रख दिया है और इसके ग्राहकों की पसंद पर खरा उतरने की पूरी उम्मीद है। इस मॉडल के 90 प्रतिशत से अधिक कलपुर्जों का स्थानीय स्तर पर उत्पादन हुआ है।

टेक्नो स्पार्क 9 लॉन्च करने की तैयारी

-भारत में 10,000 से भी कम होगी कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय बाजार में टेक्नो कंपनी नया स्मार्टफोन टेक्नो स्पार्क 9 लॉन्च करने जा रही है। फोन 11जीबी तक की रैम और मीडियाटेक एसओसी जैसी सुविधाओं के साथ आ सकता है। बताया जा रहा है कि स्मार्टफोन 18 जुलाई को देश में आधिकारिक रुप से लॉन्च हो जाएगा। टेक्नो स्पार्क 9 की एक माइक्रोसाइट अमेजन पर लाइव है, जिसमें फोन के डिजाइन और स्पेसिफिकेशंस का खुलासा किया गया है। इसके अलावा लिस्टिंग से यह भी पता चलता है कि टेक्नो स्पार्क 9 की कीमत 10,000 रुपये से कम होगी और ये 11जीबी रैम के साथ आने वाला पहला स्मार्टफोन होगा। टेक्नो स्पार्क 9 भारत में कंपनी का अगला बजट स्मार्टफोन होगा। इसे 5,000 एमएएच की बैटरी और हाई रिफ्रेश रेट डिस्प्ले जैसे फीचर्स के साथ आएगा। अमेजन की लिस्टिंग के अनुसार, स्पार्क 9 अमेजन एक्सक्लूसिव डिवाइस होगा। यह दो कलर ऑप्शन-इनफिनिटी ब्लैक और स्काई मिरर (ब्लू) में लॉन्च होगा। भारत में इसकी कीमत 10,000 रुपये से कम हो सकती है। डिवाइस में डुअल रियर कैमरा सेटअप होगा। हालांकि फोन के स्पेसिफिकेशंस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। फोन के कैमरा मॉड्यूल के पास एक फिंगरप्रिंट स्कैनर दिया गया है। हुड के तहत यह मीडियाटेक हेलियो जी37 ऑक्टा-कोर स्पष्ट द्वारा संचालित होगा। यह आउट ऑफ द बॉक्स एंड्रॉयड 12 ओएस के साथ आएगा।इसके 11जीबी रैम वाला पहला स्मार्टफोन होने का दावा किया जा रहा है। स्मार्टफोन में 5जीबी वर्चुअल रैम के साथ आएगा। फोन में टेक्नो स्पार्क 9 6.6-इंच साइज वाला वाटर-ड्रॉप नॉच डिस्प्ले होगा। इसमें हाई रिफ्रेश रेट वाला एचडी+ पैनल होगा।

टमाटर के भाव एक महीने के भीतर 29 फीसदी कम हुए

- प्याज के दाम भी पिछले साल के मुकाबले 9 फीसदी सस्ते हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टमाटर के भाव एक महीने के भीतर ही 29 फीसदी कम हो गए, जबकि प्याज के भाव में 9 फीसदी की गिरावट आई है। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि टमाटर के भाव एक महीने में ही करीब एक तिहाई नीचे आ गए, जबकि प्याज के दाम पिछले साल के मुकाबले 9 फीसदी सस्ते हो गए हैं। मंगलवार को देशभर में टमाटर की औसत कीमत 37.35 रुपए प्रति किलोग्राम रही, जो एक महीने पहले 52.5 रुपए प्रति किलोग्राम थी. कीमतों में यह गिरावट मानसून की बारिश के बाद नई फसल तैयार होने की वजह से आई है। मंत्रालय ने बताया कि देशभर में प्याज की औसत कीमत घटकर 25.78 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 9 फीसदी कम है। कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार इस साल देश में प्याज का बंपर उत्पादन हुआ, जो रिकॉर्ड 317.03 लाख टन पहुंच गया। ऐसे में मंडियों में प्याज के दाम घटने की आशंका पैदा हुई, जिसका सीधा नुकसान किसानों को होता। ऐसे में सरकार ने रिकॉर्ड खरीद कर किसानों को भी नुकसान से बचाया और बड़ा बफर स्टॉक भी बना लिया। इससे आने वाले समय में प्याज की कीमतों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। प्याज के बफर स्टॉक की सबसे ज्यादा जरूरत अगस्त से दिसंबर तक होती है, जब इसकी कोई फसल नहीं तैयार रहती। राज्यों की मांग के अनुरूप केंद्रीय एजेंसियां बफर स्टॉक से प्याज का आवंटन करती हैं। इससे खुदरा बाजार में प्याज की कीमतों को बढ़ने से रोका जाता है। साथ ही उपभोक्ताओं को भी महंगाई से राहत मिलती है। पिछले कुछ सालों में देखा गया है कि बफर स्टॉक में प्याज की कमी की वजह से खुदरा बाजार में इसके दाम 150 रुपए किलो से भी ऊपर चले गए थे।

पुजारा और सुंदर का काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन

लंदन । भारतीय टीम के टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने यहां काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। पुजारा ने यहां काउंटी टीम ससेक्स की कप्तानी करते हुए नाबाद शतक लगा। सबसे अहम बात यह रही की पुजारा ने अपनी छवि के विपरीत तेजी से खेलते हुए 10 चौकों और एक छक्का लगाकर 115 रन बनाये। इस सत्र में ससेक्स की ओर से पुजारा का सात मैचों में यह पांचवां शतक है। वहीं दूसरी ओर सुंदर ने लंकाशॉयर की ओर खेलते हुए काउंटी क्रिकेट के अपने डेब्यू मैच में ही 4 विकेट लेकर शानदार शुरुआत की है। पुजारा के शतक से ससेक्स ने काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मुकाबले के पहले दिन अपनी पहली पारी में 4 विकेट पर 328 रन बना लिए थे। इससे पहले मिडिलसेक्स ने टॉस जीतकर ससेक्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पारी की शुरुआत करते हुए ससेक्स ने 18 रन के निजी स्कोर पर ही सलामी बल्लेबाज एलिस्टेयर का विकेट खो दिया। इसके बाद टॉम अलसोप और टॉम क्लार्क ने दूसरे विकेट के लिए 81 रन जोड़कर टीम को संभाला। क्लार्क के आउट होने के बाद अलसोप ने पुजारा के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 219 रन बनाकर स्कोर 318 तक पहुंचाया।

आजादी के 75वें वर्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का उपहार देश को देने के इरादे से खेलें : पीएम

खिलाड़ियों से कहा, पूरी ताकत से खेलें पर तनाव न लें

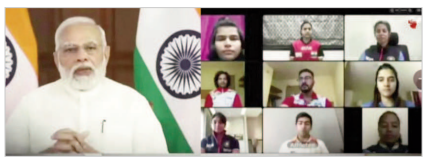

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग लेने के लिए बर्मिंघम गये भारतीय खिलाड़ियों से कहा है कि वह अपनी ओर से जीत के पूरे प्रयास करें पर किसी भी प्रकार का तनाव न लें। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए खिलाड़ियों से बात कर उनका हौंसला बढ़ाते हुए यह बात कही। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपना 215 खिलाड़ियों का दल भेजा है। भारतीय दल में ओलंपिक स्वर्ण विजेता भाल फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के अलावा बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु, पहलवान बजरंग पूनिया, और भारोत्तोलक मीराबाई चानू जैसे ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी शामिल हैं।

मोदी ने कार्यक्रम की शुरुआत यह कहते हुए किया कि जी भरकर खेलिएगा, जमकर खेलिएगा, पूरी ताकत से खेलें पर किसी प्रकार का तनाव नहीं रखें। पीएमओ की ओर से जारी बयान के अनुसार, वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए प्रधानमंत्री से हुई इस बातचीत के दौरान खिलाड़ियों के साथ साथ उनके कोच भी शामिल थे। मोदी ने भारतीय दल से कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का उपहार देश को देने के इरादे से खेलें। प्रधानमंत्री ने स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले के अलावा भारोत्तोलक अचिंत शिउले, बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिसा जॉली, हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे, पैरा एथलीट शर्मिला और साइकिलिस्ट डेविड बैकहम से भी बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का ये समय भारतीय खेलों के इतिहास के लिए सबसे अहम है। आज आप जैसे खिलाड़ियों का हौसला भी बुलंद है, ट्रेनिंग भी बेहतर हो रही है और खेल के प्रति देश में माहौल भी जबरदस्त है।

मोदी ने कार्यक्रम की शुरुआत यह कहते हुए की कि जी भरकर खेलिएगा, जमकर खेलिएगा, पूरी ताकत से खेलिग और बिना तनाव के खेलिएगा। पीएम ने पहले स्टीपल चेज में हिस्सा ले रहे साबले से बातचीत की। इसके बाद पीएम ने कहा कि कोई नहीं है टक्कर में कहां पड़े हो चक्कर में।' मोदी ने सबसे पहले साबले से पूछा कि आप सियाचीन में भी नौकरी कर चुके हैं। महाराष्ट्र से आकर हिमालय में ड्यूटी करने का अनुभव कैसा रहा? इस पर इस एथलीट ने जवाब दिया, मैं 2012 में सेना में भर्ती हुआ था। चार साल सामान्य सैनिक की तरह नौकरी की. लेकिन, इसके बाद सेना ने मुझे एथलेटिक्स में उतरने का मौका दिया। मेरे लिए सियाचीन की बर्फीली चोटियों पर काम करना शानदार अनुभव रहा। सेना में भर्ती के दौरान 9 महीने की सख्त ट्रेनिंग से गुजरना होता है. उससे एक इंसान के तौर पर भी बेहतर होने में मदद मिलती है। मुझे लगता है कि उस ट्रेनिंग के बाद मैं जीवन में किसी भी फील्ड में उतरूंगा तो बेहतर ही करूंगा। इसका मुझे काफी फायदा हुआ।

मोदी ने उनसे सियाचीन और स्टीपल चेज बीच संबंध को लेकर भी सवाल पूछा। इस पर एथलीट ने कहा, दोनों जगह बाधाओं का सामना करना पड़ता है। जहां सियाचीन में खराब मौसम और बर्फीली चोटियां हैं। वहीं, स्टीपलचेज में भी आपको कई तरह की बाधाओं के बीच छलांग लगानी होती है। कभी पानी तो कभी आपको दूसरी बाधाओं को पार करना पड़ता है।

एथलीट बनने से पहले साबले का वजन 74 किलो तक था पर उन्होंने तीन-चार महीनों के भीतर ही अपना 20 किलो वजन कम किया था। प्रधानमंत्री ने यह जानकारी साझा करते हुए उनके वजन कम करने का राज पूछा, तो एथलीट ने कहा कि सामान्य सैनिक के तौर पर जब वो ड्यूटी कर रहे थे, तो उनका वजन काफी ज्यादा था। वो पहले 74 किलो के थे।

बोल्ट आईसीसी एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

बुमराह दूसरे स्थान पर फिसले

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा गेंदबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट 704 रेटिंग अंक लेकर पहले स्थान पर आ गये हैं। वहीं भारत के जसप्रीत बुमराह 703 अंक लेकर दूसरे स्थान पर खिसक गये हैं। बुमराह हाल में इंग्लैंड के साथ हुई एकदिवसीय सीरीज के तीसरे मैच में टीम में नहीं थे जिससे उन्हें रैंकिंग में नुकसान हुआ है। वहीं भारतीय टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल चार स्थान के लाभ के साथ ही 16वीं रैंकिंग पर पहुंच गये हैं। चहल ने इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रंखला में सात विकेट लिए थे। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी आठवें स्थान पर पहुंच गये हैं। पांड्या ने छह विकेट लिए थे। बल्लेबाजी रैंकिंग में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 25 पायदान की लंबी छलांग लगाकर 52वें स्थान पर आ गये हैं। ऋषभ ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रंखला के अंतिम मैच में नाबाद 125 रन बनाये थे। पांड्या बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी आठ स्थान ऊपर आकर 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पांड्या ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की थी। दक्षिण अफ्रीका के रैसी वान डेर डुसेन इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाकर तीन स्थान ऊपर आकर रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं भारत के अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली की रैंकिंग नीचे आई है। विराट अब चौथे स्थान पर हैं। इसके अलावा भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की रैंकिंग भी घटी है। रोहित पांचवे स्थान पर खिसक गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं।

पैरा एथलीट ने प्रधानमंत्री को सुनायी अपनी दुखभरी कहानी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए गये भारतीय दल से बात कर उसका हौंसला बढ़ाया। इस दौरान एक शॉटपुट पैरा एथलीट शर्मिला प्रधानमंत्री को अपनी जिंदगी के अनुभवों को बताते हुए भावुक हो गयी। शर्मिला ने मोदी को बताया कि छोटी उम्र में ही उसकी शादी हुई पर भारी प्रताड़ना के बाद वह अपने मायके लौट आयी और खेल पर ध्यान देकर यहां तक का सफर किया है। 34 साल की उम्र में शॉटपुट खेल की शुरुआत करने वाली हरियाणा की शर्मिला ने दो साल के अंदर ही स्वर्ण पदक जीत लिया। इस पर जब प्रधानमंत्री ने पूछा कि इतने कम समय में उसे यह सब कैसे किया तब इस एथलीट ने उन्हें अपने दर्दनाक अतीत के बारे में बताया। शर्मिला ने कहा, 'मैं हरियाणा के रेवाड़ी में रहती हूं। मुझे बचपन से खेलने का शौक था पर मुझे अवसर नहीं मिला था क्यों परिवार बेहद गरीब था। मेरी छोटी उम्र में शादी हो गयी थी। मेरे पति ने मुझ पर काफी अत्याचार किए। मेरी दो बेटियां है। प्रताड़ना का सिलसिला बढ़ने पर मेरे माता-पिता मुझे अपने घर ले आए। फिर दूसरी शादी के बाद हमारे रिश्तेदार टेकचंद भाई ने मेरा काफी सहयोग किया। उन्होंने रोज सुबह-शाम काफी मेहनत करवाई. उनकी वजह से ही मैं आज दो साल के अंदर राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण जीत पायी हूं। वहीं मेरी बड़ी बेटी जेवलिन के अंडर-14 में और छोटी बेटी टेबल टेनिस में है। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा, 'आपकी कहानी ऐसी है कि कोई और भी होता, तो शायद हार मान लेता, पर आपने काफी हिम्मत और जज्बा दिखाया। इसी कारण आप सभी के लिए प्रेरणा हैं। आपने साबित कर दिया है कि अगर जीतने का जज्बा हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।'

भारतीय टीम वेस्टइंडीज पहुंची

भारतीय टीम वेस्टइंडीज पहुंची , धवन ने साझा किया वीडियो

जमैका ।

शिखर धवन की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों की भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज दौरे पर पहुंच गयी है। धवन इस दौरे पर भारतीय एकदिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे। नियमित कप्तान रोहित शर्मा को एकदिवसीय सीरीज के लिए आराम दिया गया है। पांच मैचों की टी20 सीरीज में वापसी करते हुए रोहित कप्तानी करेंगे। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 22 जुलाई को होगी। धवन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भेज है, जिसमें टीम इंडिया नजर आ रही है। इसमें टीम के कोच राहुल द्रविड़ अन्य खिलाड़ियों के साथ एयरपोर्ट से बाहर निकलते नजर आए। धवन अभी भी भारतीय एकदिवसीय टीम में शामिल हैं हालांकि टेस्ट और टी20 टीम में वह जगह नहीं बना पाये हैं। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की सीरीज के साथ वापसी करते की थी। इस सीरीज में भारतीय टीम ने 2-1 से जीता दर्ज की भी। इस दौरान पहले एकदिवसीय में उन्होंने नाबाद 31 रन बनाये थे हालांकि अगले दोनों एकदिवसीय मैच में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। ऐसे में अब उनकी नजरें वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में फॉर्म हासिल करना रहेगा। इस सीरीज में उन्हें कप्तान के साथ ही सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी निभानी होगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए रोहित के अलावा विराट कोहली, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। ऐसे में युवा खिलाड़ियों शुभमन गिल, ईशान किशन, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह के पास इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अच्छा अवसर है।

संक्षिप्त समाचार

वॉर्नर की कप्तानी पर लगा प्रतिबंध अब समाप्त करें : चैपल

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ग्रेग चैपल ने कहा है कि डेविड वॉर्नर में सबसे सफल कप्तान बनने की क्षमता है। इसलिए उनकी कप्तानी पर लगा आजीवन प्रतिबंध अब समाप्त कर देना चाहिए। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका में साल 2018 के गेंद से छेड़खानी मामले के कारण वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बेनक्रॉफ्ट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। तब वॉर्नर और स्मिथ पर एक साल जबकि बेनक्रॉफ्ट पर 9 महीने के लिए प्रतिबंध लगाया गया था। इसके साथ ही स्मिथ को कप्तानी से हटा दिया गया था ओर उनकी कप्तानी पर दो साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया जबकि वॉर्नर पर ऐसा प्रतिबंध लगा दिया था जिससे वह आजीवन कप्तान न बन सकें। चैपल ने कहा, 'जो कुछ हुआ, उसमें डेविड वॉर्नर ही अकेले शामिल नहीं थे। चैपल ने साथ ही कहा, 'उन्होंने अपनी सजा भुगत ली है। अब अगर अवसर दें तो वह बेहतर कप्तान बन सकते हैं। उन पर लगा प्रतिबंध हटना चाहिये।' साथ ही सवाल उठाया कि जब पूर्व कप्तान स्मिथ को दोबारा कप्तान बनाया जा सकता है तो वॉर्नर पर प्रतिबंध हटाकर उन्हें कप्तानी क्यों नहीं दी जा सकती।

विराट से बात कर उसकी सहायता करना चाहते हैं गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वह बल्लेबाज विराट कोहली को खराब फॉर्म से उबरने में सहायता कर सकते हैं। विराट लंबे समय से फार्म में नहीं हैं। इंग्लैंड दौरे में भी वह रन नहीं बना पाये थे। गावस्कर ने कहा, अगर मुझे उसके साथ बातचीत के लिए 20 मिनट मिलते तो मैं उसे बता पाता कि वह क्या कर सकता है। इससे उसे लाभ होगा। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि इससे उसे सहायता मिलेगी पर यह विशेष रूप से उसके ऑफ स्टंप के बारे में हो सकता है। विराट इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट खेल में केवल 11 और 20 रन बना सके। इसके अलावा एकदिवसीय मैचों में भी वह 33 रन ही बना पाये। गावस्कर ने कहा, 'शुरुआती बल्लेबाज होने के कारण , रन बनाने के लिए कुछ चीजें हैं जो आप कोशिश करते हैं। अगर मुझे उसके साथ 20 मिनट मिलते हैं, तो मैं उसे बता सकता हूं। यह इस तथ्य पर वापस जाता है कि उसकी पहली गलती उसकी आखिरी हो जाती है। केवल इसलिए ही वह रन नहीं बना रहा, हर गेंद पर खेलना चिंता के करण है क्योंकि बल्लेबाजों को यही लगता है कि उन्हें स्कोर करना है। आप ऐसी गेंदों पर खेलना चाहते हैं जो आप अन्यथा नहीं खेलेंगे। इसलिए उन्हें धैर्य रखकर बल्लेबाजी करनी है और हर बाहर जाती गेंद को खेलने का प्रयास नहीं करना है। लय में नहीं होने के कारण ही विराट को 22 जुलाई से शुरू होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए आराम दिया गया था। वह 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैचों में नहीं खेलेंगे और इस साल के अंत में एशिया कप टी20 के लिए ही वापसी कर सकते हैं।गावस्कर ने कहा कि यह विराट कोहली जैसे खिलाड़ी के साथ धैर्य रखने का समय है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें बस इंतजार करना होगा और देखना होगा कि वह कब वापस आता है, इससे मदद मिलती है या नहीं।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही एकदिवसीय में इंग्लैंड को 62 रनों से हराया

लंदन ।

मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान टीम इंग्लैंड को 62 रन से हरा दिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच के साथ ही ऑलराउंडर बेन स्टोक्स का एकदिवसीय अंतरराट्रीय करियर समाप्त हो गया। स्टोक्स ने इस मैच से पहले ही घोषणा कर दी थी यह उनका अंतिम मैच होगा। ऐसे में उम्मीद थी कि मेजबान इंग्लैंड इस मुकाबले में जीत के साथ ही स्टोक्स को विदाई देगी पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की ओर से कप्तान केशव महाराज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका ने रासी वान डेर डुसैन के 133 और एडेन मार्करम के 77 रनों की सहायता से निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट पर 333 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 46.5 ओवर में ही 277 रनों पर आउट हो गयी। इंग्लैंड की ओर से अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने सबसे ज्यादा 86 रन बनाये जबकि सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ने 63 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय 43 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। अपने अंतिम मैच में स्टोक्स 11 गेंदों पर 5 रन ही बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया ने 53 रन देकर कुल 4 विकेट लिए जबकि एडेन मार्करम ने 25 रन देकर दो विकेट लिए।

राष्ट्रमण्डल खेलों में 31 जुलाई को होगा भारत-पाक महिला क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला

लंदन। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 31 जुलाई को भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमों के बीच होने वाले मैच में रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। 28 जुलाई से शुरू हो रहे राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टिकटों की बिक्री जोर शोर से जारी है। इन खेलों के लिए अब तक 12 लाख टिकट बिक गये हैं। आयोजकों के अनुसार क्रिकेट प्रशंसक भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमों के बीच होने वाले मैच को लेकर उत्साहित हैं। महिला क्रिकेट को पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल किया गया है। बर्मिंघम में भारत और पाकिस्तान मूल के काफी लोग रहते हैं , इससे भी मैच के दौरान स्टेडियम भरा रहने की उम्मीद है। राष्ट्रमण्डल खेलों के मुख्य कार्यकारी इयान रीड ने कहा कि सेमीफाइनल और फाइनल के सभी टिकट बिक गये हैं। इसके साथ ही भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान भी स्टेडियम पूरा भरा रहना तय है। एजबेस्टन में होने वाला यह मैच दर्शकों से भरे खचाखच स्टेडियम में हो सकता है। यह उम्मीद प्रबंधन ने ही जताई है, क्योंकि अब तक इन खेलों के लिए कुल 12 लाख टिकट बिक गये हैं। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के भी अधिकतर टिकट बिक गए हैं जबकि अभी मैच होने में एक समाह से अधिक समय बाकि है। इन खेलों में क्रिकेट का पहला पहला मुकाबला 29 जुलाई को होगा। सभी मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं क्रिकेट के लिए स्वर्ण और कांस्य पदक मुकाबले 7 अगस्त को होंगे। इन खेलों के लिए भारत ओर पाक टीमें इस प्रकार हैं।

भारतीय महिला टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, एस. मेघना, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंह , जेमिमा रोड्रिग्स, राधा यादव, हरलीन देओल और स्नेह राणा।

पाकिस्तान महिला टीम-बिस्माह मरूफ (कप्तान), मुनीबा अली, अनम अमीन, ऐमान अनवर, डायना बेग, निदा डार, गुल फिरोज़ा, तुबा हसन, कायनात इम्तियाज़, सादिया इकबाल, इरम जावेद, आयशा नसीम, आलिया रियाज़, फातिमा सना और ओमैमा सोहैली।

भारतीय महिला स्प्रिंटर धनलक्ष्मी डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाये जाने के बाद राष्ट्रमण्डल खेलों से बाहर हुईं

नई दिल्ली। भारत की महिला स्प्रिंटर एस धनलक्ष्मी डोप जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद राष्ट्रमण्डल खेलों से बाहर हो गयी हैं। धनलक्ष्मी पर किसी भी खेल स्पर्धा में भाग लेने को लेकर अभी अस्थायी रूप से पाबंदी लगा दी गयी है। धनलक्ष्मी ने पिछले वर्ष अनुभवी महिला एथलीट दुतीचंद को 100 मीटर और गत माह हिमा दास को 200 मीटर रेस में हराकर सबका ध्यान खींचा था। विश्व एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ओर से की गई जांच में धनलक्ष्मी विफल रही हैं। एआईयू ने धनलक्ष्मी का नमूना देश से बाहर आउट ऑफ कंपटीशन लिया था. धनलक्ष्मी के नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ एनाबॉलिक स्टोरॉयड अधिक पाया गया है। डोप टेस्ट में असफल होने के बाद धनलक्ष्मी को अमेरिका के यूजीन में जारी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भाग लेने से रोक दिया गया है। धनलक्ष्मी को राष्ट्रमण्डल खेलों में 100 मीटर और रिले स्पर्धा में भाग लेना था।

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के सबसे सफल कप्तान रहे हैं धोनी

मुम्बई ।

पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के सबसे सफल कप्तान रहे हैं धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने कुल 200 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान टीम को 110 मुकाबलों में जीत मिली है, जबकि 74 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा पांच मुकाबले टाई हुए है जबकि 11 मुकाबलों का परिणाम नहीं निकला। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 59.52 रहा है। वहीं धोनी के बाद दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का नंबर आता है। अजहरुद्दीन ने साल 1990 से 1999 के बीच 174 एकदिवसीय मुकाबलों में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। इस दौरान भारतीय टीम को 90 मुकाबलों में जीत मिली जबकि 76 मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। दो मैच टाई रहे जबकि छह मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं निकला। अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारतीय टीम का जीत फीसदी 54.16 रहा है। सबसे ज्यादा सफल कप्तान के तौर पर तीसरे स्थान पर सौरव गांगुली आते है। गांगुली की कप्तानी में साल 1999 से 2005 के बीच हुए 146 एकदिवसीय मुकाबलों में से टीम ने 76 जीते और 65 मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं पांच मैचों का कोई परिणाम नहीं निकला। गांगुली की कप्तानी में भारतीय टीम का जीत फीसदी 53.90 रहा है। एकदिवसीय प्रारूप में देश की ओर से सर्वाधिक मुकाबलों में कप्तानी करने के मामले में कप्तान विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं। कोहली ने साल 2013 से 2021 के बीच 95 एकदिवसीय मुकाबलों में भारतीय टीम की कप्तानी की। इस दौरान टीम को 65 मुकाबलों में जीत मिली, जबकि 27 मुकाबलों में हार का मुंह देखना पड़ा। एक मुकाबला टाई रहा है, जबकि दो मैचों का कोई परिणाम नहीं निकला. इस मामले में पांचवे स्थान पर राहुल द्रविड़ हैं। द्रविड़ की अगुवाई में भारतीय टीम ने 2000 से 2007 के बीच कुल 79 मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 42 मुकाबलों में जीत मिली, जबकि 33 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा चार मैचों का कोई परिणाम नहीं निकल सका। द्रविड़ की कप्तानी में भारतीय टीम का जीत फीसदी 56.00 रहा है।

यूजीन में विश्व एथलेटिक्स स्पर्धा के 1500 मीटर में स्वर्ण पदक विजेता जैक वेटमैन अपने माता-पिता के साथ नजर आये।

मुख्यमंत्री ने 9 नपा में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 188.12 करोड़ के कार्यों को मंजूरी दी

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की 9 नगर पालिकाओं में कुल 73.98 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) क्षमता के आधुनिक तकनीक आधारित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की स्थापना के लिए 188.12 करोड़ रुपए के कार्यों को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। राज्य की नगर पालिकाओं में सीवर नेटवर्क से एकत्रित होने वाले गंदे पानी का पर्यावरण मंत्रालय के मानकों के अनुसार निपटान करने और ऐसे दूषित जल का रियूज यानी पुन: उपयोग करने के उद्देश्य से नगर पालिकाओं में आधुनिक तकनीक पर आधारित एसटीपी के कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ऐसी 9 नगर पालिकाओं के लिए आधुनिक एसटीपी के निर्माण के कार्यों की सैद्धांतिक मंजूरी दी है, जहां पहले घरेलू अपशिष्ट जल का निपटान पुरानी तकनीक से और ऑक्सीकरण तालाब में होता था। मुख्यमंत्री ने राज्य में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में इन नगर पालिकाओं में दूषित जल के शुद्धिकरण के लिए आधुनिक तकनीक वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट शुरू करने और उसे पूर्ण रूप से कार्यरत रखने के लिए आवश्यक सहायक कार्यों के लिए 188.12 करोड़ रुपए के कार्यों को स्वीकृति दी है। इन 9 नगर पालिकाओं में गढडा एसटीपी (6.3 एमएलडी क्षमता, 23.29 करोड़ रुपए), कठलाल एसटीपी (4.5 एमएलडी क्षमता, 14.02 करोड़ रुपए), महुधा एसटीपी (4 एमएलडी क्षमता, 10 करोड़ रुपए), पाटड़ी एसटीपी (3.4 एमएलडी क्षमता, 9.68 करोड़ रुपए), सावरकुंडला एसटीपी (13.40 एमएलडी क्षमता, 30.56 करोड़ रुपए), बायड एसटीपी (5.07 एमएलडी तथा 0.31 एमएलडी क्षमता, 13.17 करोड़ रुपए), सिद्धपुर एसटीपी (13.50 एमएलडी क्षमता, 48.31 करोड़ रुपए), सोजित्रा एसटीपी (2.5 एमएलडी क्षमता, 10.61 करोड़ रुपए) और वल्लभ विद्यानगर एसटीपी (21 एमएलडी क्षमता, 28.48 करोड़ रुपए) का समावेश होता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार का दृष्टिकोण राज्य की सभी नगर पालिकाओं में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की सुविधा सुनिश्चित करना है। इससे पूर्व नगर पालिकाओं में 1850 करोड़ रुपए के खर्च से कुल 1497 एमएलडी क्षमता के 161 एसटीपी के कार्य स्वीकृत किए गए हैं, इसमें से 57 नगर पालिकाओं में 720 एमएलडी क्षमता के एसटीपी के कार्य जारी हैं। मुख्यमंत्री ने जिन 9 नगर पालिकाओं में एसटीपी के कार्यों को स्वीकृति दी है, वहां एसटीपी के माध्यम से पानी के शुद्धिकरण की प्रक्रिया के बाद उसे वातावरण में, भूमि, नदी या समुद्र में निपटान करने या फिर कृषि कार्यों अथवा उद्योगों में पुन: उपयोग करने का पर्याप्त प्रयास किया जाएगा।

गुजरात में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, 24 घंटों में राज्य में 894 नए मरीज आए सामने

अहमदाबाद।

गुजरात में फिर एक बार कोरोना रफ्तार पकड़ने लगा है और रिकवरी रेट सुस्त होती जा रही है। बुधवार को राज्य में कोरोना के 894 नए केस दर्ज हुए हैं, जबकि 691 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। लगातार बढ़ते मामलों के चलते राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर लगातार घटकर 98.71 प्रतिशत रह गया है। राहत की बात है कि बुधवार को राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई। नए केसों के साथ राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 5099 पर पहुंच गई है। जिसमें 8 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 5091 स्टेबल हैं। राज्य में अब तक 1228955 कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10954 मरीजों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार को भी सबसे अधिक कोरोना के 295 नए केस अहमदबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 65, सूरत कॉर्पोरेशन में 54, मेहसाणा में 45, पाटन में 38, गांधीनगर में 31, राजकोट कॉर्पोरेशन में 31, कच्छ में 30, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 27, सूरत में 24, देवभूमि द्वारका में 23, भावनगर कॉर्पोरेशन में 22, बनासकांठा में 21, वलसड में 19, भरुच में 18, राजकोट में 18, वडोदरा में 16, आणंद में 15, मोरबी में 15, साबरकांठा में 15, पोरबंदर में 10, अहमदाबाद में 8, जामनगर कॉर्पोरेशन, खेडा, नवसारी में 7-7, अमरेली में 6, पंचमहल में 5, अरवल्ली, सुरेन्द्रनगर, तापी में 4-4, भावनगर, गिर सोमनाथ में 3-3, दाहोद और जामनगर में 2-2 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 894 नए केस दर्ज हुए हैं। जबकि 641 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। बुधवार को राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई। दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत बुधवार को 193074 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के 1634 को पहला और 3479 लोगों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 1। वर्षीय 11। को पहला और 794 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। जबकि 22243 नागरिकों को बूस्टर डोज दिया गया। वहीं 12 से 14 वर्षीय 1705 किशोरों को पहली और 1464 को कोविड की दूसरा वैक्सीन लगाई गई। इसके अलावा 18 से 59 वर्षीय आयु समूह के 161638 लोगों को प्रीकॉशन डोज दिया गया।

अहमदाबाद मण्डल से प्रतिदिन एक ट्रेन का स्वतंत्रता सेनानी या उनके परिजन के द्वारा फ्लैग ऑफ

अहमदाबाद ।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 18 जुलाई से 23 जुलाई 2022 तक 'आईकॉनिक सप्ताह' "आजादी की रेलगाड़ी और स्टेशन" मंडल रेल प्रबधक महोदय तरुण जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी हर्षद वानिया के मार्गदर्शन में मनाया जा रहा है। अहमदाबाद मंडल से 'आईकॉनिक सप्ताह' "आजादी की रेलगाड़ी और स्टेशन" के अंतर्गत अहमदाबाद मण्डल से प्रतिदिन एक ट्रेन का "फ्लैग ऑफ" स्वतंत्रता सेनानी या उनके परिजन के द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान दिनांक 19.07.2022 श्रीमति शशिसिंह पौत्री स्व राजारामसिंह महादेवसिंह स्वतंत्रता सैनानी ने ट्रेन न.19167 साबरमती एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना की। स्व राजारामसिंह महादेवसिंह ने भारत छोड़ो आंदोलन 1942 में नेताजी सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व में हिस्सा लिया था, उनकी टीम ने अंग्रेज सेना की टेलीफोन लाइन काटने का एवं बाबतपुर रेलवे स्टेशन में आग लगाकर उनके परिवहन को नुकसान पहुंचाने का कार्य किया था। इसके लिए उन्हें 6 महीने जिला जेल में एवं 6 महीने सेंट्रल जेल बनारस में बंद किया गया था। आजादी के बाद भारत सरकार ने उनकी इस बहादुरी हेतु सब इंस्पेक्टर के पद पर लखनऊ थाना में नियुक्ति दी थी। राजारामसिंहजी दो पेंशन एक सरकारी नौकरी के लिए और दूसरी स्वत्रंता सैनानी के तौर पर हकदार थे।

लाखों का वेतनधारी अधिकारी गरीब, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनवाया आयुष्यमान कार्ड

राजकोट। सरकार ने गरीबों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाने के उद्देश्य से आयुष्यमान कार्ड की शुरुआत की है ना कि धनवानों के लिए। लेकिन कुछ साधन संपन्न लोग भी आयुष्यमान योजना का लाभ लेते होने की घटना सामने आई है। राजकोट सिविल के नर्सिंग अधीक्षक हितेश झांखरिया ने आयुष्यमान कार्ड बनवाया होने की खबर सामने आई है। सालाना लाखों रुपए का वेतन पाने वाली हितेश झांखरिया आयुष्यमान कार्ड बनवाकर अपनी पत्नी का एमआरआई कराया है। सरकार के क्लास 2 अधिकारी के गरीबों की योजना का लाभ ले रहा था। जानकारी के मुताबिक किशन राठौड़ नामक सामाजिक कार्यकर्ता ने सारे सबूत जुटाकर इस मामले का पर्दाफाश करते हुए नर्सिंग अधीक्षक हितेश झांखरिया के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। किशन राठौड का कहना है कि लाखों रुपए के वेतनधारी का आयुष्यमान योजना का लाभ लेना शर्मनाक है। सिविल अस्पताल के अधिकारियों ने हितेश झांखरिया के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उसका आयुष्यमान कार्ड बना दिया, इसलिए उनके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की राजकोट पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। पुलिस आयुक्त से की अपनी शिकायत में किशन राठौड ने कहा कि राजकोट सिविल अस्पताल के क्लास-2 अधिकारी हितेन्द्र झांखरिया ने भूतकाल में भी अनेक अनियमितताएं की हैं। झांखरिया नर्सिंग स्टाफ को परेशान करते हैं और इस संदर्भ में गांधीनगर तक शिकायत की जा चुकी है। ऐसी ही एक अनियमितता कर हितेन्द्र झांखरिया ने आयुष्यमान कार्ड बनवा लिया। जबकि हितेन्द्र झांखरिया की आय सरकार के आयुष्मान कार्ड के लिए निर्धारित आय से तीन गुना अधिक है। किशन राठौड ने आरोप लगाया कि हितेन्द्र झांखरिया ने अपनी और पत्नी भावना झांखरिया व पुत्र श्रेयांश की कम आय के प्रमाण पत्र पेश कर आयुष्यमान कार्ड बनवाया है। जिसका उपयोग कर भावना झांखरिया का गत 22 मार्च 2022 को एमआरआई कराया गया था। इसकी रशीद भी किशन राठौड ने अपनी शिकायत के साथ पुलिस आयुक्त को पेश की है। बता दें कि राजकोट सिविल के नर्सिंग अधीक्षक हितेश जांखरिया का सालाना वेतन रु. 1800000 है, इसके बावजूद कम आय के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ना सिर्फ आयुष्यमान कार्ड बनवाया, बल्कि उसका अपनी पत्नी की एमआरआई कराने में उपयोग भी किया। एक ओर जरूरतमंद लोग आयुष्यमान कार्ड के अभाव में अपना इलाज नहीं करवा पाते। दूसरी ओर लाखों के वेतनधारी बाबु सरकारी योजनाओं का गैरकानूनी तरीके से लाभ उठा रहे हैं।

गुजरात सरकार के बावळा स्थित उद्यम 'जीएआरपीएफ' को 'यूएसडीए-एपीएचआईएस' की स्वीकृति

गांधीनगर । अहमदाबाद ज़िले के बावळा में गुजरात एग्रो रेडिएशन प्रोसेसिंग फ़ैसिलिटी (जीएआरपीएफ); जो की गुजरात सरकार का उद्यम है, में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ़ एग्रीकल्चर-एनिमल एंड प्लांट हेल्थ इंस्पेक्शन सर्विस (यूएसडीए-एपीएचआईएस) की स्वीकृति प्राप्त करके मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने अपनी उपलब्धियों में एक नए अध्याय को जोड़ लिया है। यूएसडीए-एपीएचआईएस द्वारा इस स्वीकृति के बाद अब सीधे गुजरात से अमेरिका में आमों के निर्यात में काफ़ी मदद मिलेगी। नेशनल प्लांट प्रोटेक्शन ऑर्गनाइज़ेशन (एनपीपीओ) की सहायता से यूएसडीए-एपीएचआईएस टीम ने जीएआरपीएफ का ऑडिट किया और ऑडिट के बाद यूएसडीए-एपीएचआईएस ने गत 2 जुलाई,2022 को बावळा में संयंत्र को मंजूरी दी है। आम और अनार के निर्यात के लिए यूएसडीए-एपीएचआईएस अनुमोदन प्राप्त करने वाला यह गुजरात का पहला संयंत्र है। मानदंडों के अनुसारअमेरिका को निर्यात करने से पहले आमों का विकिरण करना अनिवार्य है। विकिरण प्रक्रिया अमेरिका के संगरोध निरीक्षकों की देखरेख में की जाती है। गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज़ कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीएआईसी) ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाय) के तहत अहमदाबाद ज़िले के बावळा में वर्ष 2014 में 20 करोड़ रुपए की लागत से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए 1,000 किलो-क्यूरी (केसीआई) मल्टीपर्पज़ स्प्लिट टाइप, पैलेटाइज़्डरेडिएशन प्रोसेसिंग फ़ैसिलिटी की स्थापना की थी। यह सुविधा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) और विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड (बीआरआईटी) के मार्गदर्शन व तकनीकी सहायता के साथ लागू की गई थी। यह भारत में एकमात्र ऐसा प्लांट है; जहाँ प्याज, आलू, अनाज, दालों, साइलियम हस्क, पालतू जानवरों के भोजन पदार्थों, मांस, मसालों, निर्जलित प्याज/सूखी सब्जियों, मुर्गी, अंडों और चिकित्सा उत्पादों आदि को आवश्यकता के अनुसार निम्न, मध्यम और उच्च विकरिणित करने की सुविधा है। यूएसडीए-एपीएचआईएस के ऑडिट के दौरान श्री डी. के. पारेख, आईएएस, प्रबंध निदेशक, गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज़ कॉर्पोरेशन लिमिटेडउपस्थित थे। उन्होंने ऑडिट टीम को इस प्लांट की सुविधाओं और उसके महत्व के बारे में बताया।श्री पारेख ने बताया कि भारत सरकार ने क्लस्टर विकास योजना के तहत कच्छ को मैंगो क्लस्टर घोषित किया है और इसलिए यह प्लांट गुजरात से आमों के निर्यात में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज़ कॉर्पोरेशन लिमिटेड में तीन प्रमुख बुनियादी सुविधाएँ (आम के निर्यात के लिए आवश्यक); जैसे एकीकृत पैक हाउस, गामा विकिरण सुविधा और पेरिशबल एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स की सुविधा है। यूएसडीए-एपीएचआईएस अनुमोदन के बाद जीएआरपीएफ प्लांट की विकिरण सम्बन्धी सुविधाओं के साथ-साथ शेष उपरोक्त सुविधाओं का लाभ भी राज्य के अन्य सम्बंधित सेक्टर्स आमों की गुणवत्ता बनाए रखने, उन्हें ख़राब होने से बचाने और परिवहन की लागत को कम करने में कर सकते हैं।

3 राज्यों में वांछित राजस्थान के गैंगस्टर को गुजरात एटीएस ने दबोचा

अहमदाबाद। गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने हत्या और जेल तोड़ने सहित 30 से अधिक मामलों में वांछित राजस्थान के एक गैंगस्टर को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। अधिकारियों ने बताया कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एटीएस के एक दल ने हीरावाड़ी चौराहे पर जाल बिछाकर कुख्यात गैंगस्टर अरविंद सिंह बीका को पकड़ लिया है।

गैंगस्टर बीका राजस्थान के सिरोही जिले के गुलाबगंज गांव का मूल रूस से निवासी है। बीका 2017 में गुजरात के बनासकांठा जिले के दीसा कस्बे की जेल से फरार होने के बाद से गायब था। उसके पास से दो पिस्तौल, एक देसी बंदूक और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। एटीएस ने बताया कि बीका के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत एक नया मामला दर्ज किया गया है, जो गुजरात, राजस्थान और केरल में 35 आपराधिक मामलों में वांछित है।

उल्लेखनीय है कि 15 सदस्यीय उसका गिरोह हत्या, लूट, चोरी, जबरन वसूली, जेल तोड़ने और गिरोह के सदस्यों को मुक्त करने के लिए पुलिस पर गोलीबारी करने जैसे कई गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। बीका को सोशल मीडिया पर धमकी भरे वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करने का भी शौक था, जहां उसने हथियारों के साथ तस्वीरें डाली हुई थी।

सिट्रोन ने नया मेड-इन-इंडिया सी3 लॉन्च किया

सूरत । सिट्रोन इंडिया ने बहुप्रतीक्षित नए सी3 को एक विशेष प्रारंभिक कीमत रू 5,70,500 (एक्स-शोरूम दिल्ली) पर लॉन्च किया है। 90% से अधिक स्थानीयकरण के साथ, यह मेड-इन-इंडिया मॉडल वाहनों की सी-क्यूब्ड फैमिली का पहला प्रोडक्ट है, जिसे तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में इसकी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के अंतर्गत बनाया गया है। ग्राहकों के लिए नए सी3 की डिलीवरी की शुरुआत आज से देश भर के तमाम ला मैसन सिट्रोन फिजिटल शोरूम्स में होगी।

सौरभ वत्स, ब्रांड हेड, सिट्रोन इंडिया ने कहा, "हम युवा और प्रगतिशील ग्राहकों के लिए नए सी3 के लॉन्च को लेकर काफी उत्साहित हैं, जो अपनी 4 थीम्स: एसयूवी-स्टाइल के साथ च्लाइव एलिवेटेड्ज, फ्लाइंग कारपेट इफेक्ट के लिए ड्राइविंग कम्फर्ट के साथ 'हैप्पी स्पेस', पैनोरमिक एक्सटीरियर व्यू के साथ ट्रॉपिकलाइज्ड एयर कंडीशनिंग और इंटीरियर मनोरम, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और 26 सेमी इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन के साथ 'INFO10MENT' और मिरर स्क्रीन टेक्नोलॉजी के साथ कारप्ले0 कनेक्टिविटी, 10 एक्सटीरियर कलर कॉम्बिनेशंस, 3 पैक्स, 56 कस्टमाइजेशन ऑप्शंस और लॉन्च के समय उपलब्ध 70 से अधिक एक्सेसरीज़ के साथ 'कस्टमाइज्ड कम्फर्ट' के माध्यम से सिट्रोन एडवांस्ड कम्फर्ट0 का अनुभव करेंगे। अवॉर्ड विनिंग और ईंधन कुशल पॉवरट्रेंस, 5-स्पीड एमटी के साथ 1.2 एनए प्योरटेक 82 और 6-स्पीड एमटी के साथ 1.2 टर्बो प्योरटेक 110 के चलते नए सी3 के साथ ड्राइव करने का मज़ा युवा और प्रगतिशील ग्राहकों के लिए सही मायने में नया स्टाइल आइकन होगा। #EXPRESSYOURSTYLE"

नया सिट्रॉन सी3 अब 19 शहरों- नई दिल्ली, गुड़गाँव, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, कोलकाता, बैंगलोर, हैदराबाद, कोच्चि, चेन्नई, चंडीगढ़, जयपुर, लखनऊ, भुवनेश्वर*, सूरत, नागपुर*, विभाग, कालीकट और कोयम्बटूर में ला मैसन सिट्रॉन फिजिटल शोरूम्स में रिटेल के लिए उपलब्ध है।

रोलैंड बूचारा, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर, स्टेलेंटिस इंडिया ने कहा, "नए सिट्रोन सी3 का भारत में लॉन्च स्टेलेंटिस में हम सभी के लिए बेहद गर्व का क्षण है। इस लॉन्च के साथ, सिट्रोन ने भारत में मुख्यधारा के बी-हैच सेगमेंट में कदम रखे हैं और हमें विश्वास है कि नए सी3 की कस्टमाइज्ड कम्फर्ट यूएसपी, इसे उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक और अद्वितीय विकल्प बनाने में कारगर साबित होगी। यह वाहनों की सी-क्यूब्ड फैमिली का हमारा पहला मॉडल है, जिसे भारतीयों के लिए न सिर्फ भारत में डिज़ाइन किया गया है, बल्कि इंजीनियर भी किया गया है। नए सी3 में 90% से अधिक स्थानीय पार्ट्स के साथ, हम चेन्नई में अपने मजबूत सप्लायर बेस, आर एंड डी सेंटर, थिरुवल्लूर में वाहन असेंबली प्लांट और तमिलनाडु राज्य के होसुर में पॉवरट्रेन प्लांट से लाभान्वित हो रहे हैं।"

बोरसद में ट्रक ने पुलिसकर्मी को कुचला, घटनास्थल पर ट्रक छोड़कर ड्राइवर फरार

आणंद। पिछले 24 घंटों में देश के अलग अलग राज्यों में वाहन से कुचलकर तीन पुलिसकर्मियों को मौत के घाट उतार दिया गया। पहली घटना हरियाणा के नूंह में, दूसरी झारखंड के रांची में और तीसरी घटना गुजरात के आणंद से सामने आई है। आणंद जिले के बोरसद शहर पुलिस में सेवारत किरणसिंह नामक एक पुलिसकर्मी ने जब राजस्थान पासिंग के एक ट्रक को रोकने का इशारा किया। लेकिन ड्राइवर ने ट्रक भगा दिया। किरणसिंह ने ट्रक का पीछा किया और ऑवरटेक कर ट्रक के आगे अपना वाहन रोक दिया। बाद में जब ड्राइवर को ट्रक रोकने को कहा तो उसने किरणसिंह पर ट्रक चढ़ा दिया। जिसमें किरणसिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत में पुलिसकर्मी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ड्राइवर अपना ट्रक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जानकारी है कि ट्रक में ऐसी कोई गैरकानूनी चीज-वस्तु नहीं जिसकी वजह से ड्राइवर को भागने की कोशिश करनी पड़े। इसके बावजूद ड्राइवर ने ऐसा क्यों किया? यह उसके पकड़े जाने के बाद ही पता चलेगा। ट्रक ड्राइवर के खिलाफ दफा 304 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस उसे गिरफ्तार करने के प्रयास कर रही है। पिछले 24 घंटों में वाहन से कुचलकर पुलिसकर्मी को मौत के उतारने की यह तीसरी घटना है। पहली घटना हरियाणा के मेवात जिले की नूंह में हुई। खनन माफियाओं के ट्रक ने पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्रसिंह बिश्नोई को कुचल दिया। इस घटना में सुरेन्द्रसिंह बिश्नोई की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना मंगलवार को हुई। बताया जाता है कि सुरेन्द्रसिंह बिश्नोई खनन माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही करने गए थे। उस दौरान पत्थरों से लदे ट्रक के ड्राइवर ने बिश्नोई को ट्रक से कुचल दिया। दूसरी घटना झारखंड के रांची के तुपुदा पुलिस थानान्तर्गत हुलहूंडु की। जहां महिला पुलिस उपनिरीक्षक संध्या टोपनो रात्रि के दौरान वाहनों की जांच कर रही थी। उस वक्त अचानक पिकअप वैन के ड्राइवर ने संध्या टोपनो पर अपनी गाड़ी चढ़ा दी। यह घटना आज तड़के करीब 3 बजे की है। घटना के बाद आरोपी वाहन के साथ फरार हो गया। जिसे बाद में वाहन समेत गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)